राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

टाउनहॉल टाइम्स

www.townhalltimes.com

नई दिल्ली से प्रकाशित

अपने क्षेत्र से जुड़ी खबरें भेजने के लिए हमें 9910635094 पर WhatsApp करें।

वर्ष: 03 अंक: 175 | नई दिल्ली, गुरुवार 24 जुलाई 2025 | मुल्य: 2 रुपया, पृष्ठ: 8 | DELHIN/2022/85289

भारत का ऐतिहासिक पत्रकारिता अवार्ड: 'बी आर अम्बेडकर सबल्टर्न जर्नलिज्म अवार्ड' अभी अपना नॉमिनेशन फाइल करे

https://ambedkarsubalternjournalismaward.in/
Phone: 9910635094

संक्षिप्त खबर

कांग्रेस सांसदों को जाति सर्वेक्षण पर प्रस्तुति देंगे रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी राज्य में हुए जाति सर्वेक्षण को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी सांसदों को प्रस्तुति देंगे। रेड्डी बुधवार को दिल्ली पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि रेड्डी बृहस्पतिवार को कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में पार्टी सांसदों के समक्ष तेलंगाना के जाति सर्वेक्षण मॉडल पर एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे। प्रस्तुति में इस व्यापक सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली और निष्कर्षों की रूपरेखा प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। रेड्डी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात कर पार्टी और शासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।

गरीबों को लूटकर अमीरों को लुटाना सरकार का मूल मंत्र: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कारपोरेट समूहों के ऋण बट्टे खाते में डाले जाने की खबर को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि गरीब जनता को लूट कर, अमीरों पर लुटाना मोदी सरकार की आर्थिक नीति का मूल मंत्र है। उन्होंने जिस खबर का हवाला दिया उसमें कहा गया है कि पिछले नौ वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 12 लाख करोड़ रुपये के ऋण बट्टे खाते में डाले। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार खरबपति मित्रों के कर्ज बट्टे खाते में डालकर पिछले 9 वर्षों में 12 लाख करोड़ रुपए की रेवड़ियां बांट चुकी है। देश में आर्थिक असमानता 100 वर्षों में सबसे चरम पर है, पर मोदी सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों करोड़ रुपए अपने मित्रों पर लुटा रही है। उन्होंने कहा, गरीब जनता को लूट कर, अमीरों पर लुटाना मोदी सरकार की आर्थिक नीति का मूल मंत्र है।

न्यायालय सतकोसिया बाघ अभयारण्य में अवैध निर्माण संबंधी याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ओडिशा के सतकोसिया बाघ अभयारण्य में कथित अवैध निर्माण पर चिंता जताने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमत हो गया। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ से अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल ने कहा कि इस याचिका पर सुनवाई आवश्यक है। पीठ ने कहा कि वह इस पर बाद में सुनवाई करेगी। बंसल ने संरक्षित क्षेत्र में पारिस्थितिकी पर्यटन (इको-टूरिज्म) से संबंधित निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा कथित अनुमति दिए जाने पर भी चिंता व्यक्त की। पारिस्थितिकी पर्यटन से तात्पर्य ऐसे पर्यटन से है जिसमें प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा के दौरान स्थानीय वन्य जीवन, पर्यावरण एवं स्थानीय निवासियों का ध्यान रखा जाता है और इस पर्यटन से उन्हें लाभ पहुंचता है। बंसल ने कहा, जिलाधिकारी ने पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल के निर्माण के लिए अनुमति जारी की हैं। इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है वकील ने कहा, मैं तो बस जंगलों के लिए लड़ रहा हूं। ओडिशा के अंगुल, कटक, नयागढ़ और बौध जिलों में फैला सतकोसिया अभयारण्य बाघों, हाथियों और कई लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए अहम आवास है।

भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद रखने की समय सीमा 24 अगस्त तक बढ़ाई

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर पाबंदी की अवधि को और एक महीने के लिए 24 अगस्त तक बढ़ा दिया है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 30 अप्रैल से पाकिस्तान की एयरलाइन (चाहे वे स्वामित्व में हों, लीज पर हों या सैन्य उड़ानें हों) के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। सरकार द्वारा आंतकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए विभिन्न कदमों के तहत यह पाबंदी लगाई गई थी।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने मंगलवार देर रात एक्स पर बताया, पाकिस्तानी विमानों के भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश पर रोक लगाने वाला नोटिस टू एयरमेन (नोटम) आधिकारिक रूप से 23 अगस्त 2025 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। मंत्री ने कहा कि यह विस्तार मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप है और रणनीतिक चिंताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। शुरूआत में प्रतिबंध 24 मई तक के लिए था जिसे पहले 24 जून, फिर 24 जुलाई और अब 24 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है।

एसआईआर चुनाव आयोग करा रहा, सरकार नहीं...

बिहार विधानसभा चुनाव का बॉयकॉट करने पर चर्चा करेंगे: तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की अन्य घटक पार्टियां संसद में बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा ककी मांग कर रही हैं. सरकार के टॉप सूत्रों की मानें तो एसआईआर चुनाव आयोग करा रहा, सरकार नहीं. सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार नहीं नजर आ रही।

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विवाद के बीच बिहार विधासनभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव का बॉयकॉट पर भी चर्चा हो सकती है. हमलोग देखेंगे कि जनता क्या चाहती है और लोगों की राय है? उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी में साठगांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि बाईमानी से इसको इतना देना है और उसको देना है, तो फिर चुनाव क्यों कराना है?

उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है. लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास चल रहा है. बिहार विधानसभा में एसआईआर पर चर्चा हो. अनुमति मिल गई थी. बीच में मुख्यमंत्री ने व्यावधान डाला तो बैठ गये। बात कह रहे थे. पता ही नहीं था कि एसआईआर पर चर्चा हो रही है. यह पता नहीं था बिहार में एसआईआर हो रहा है. पुराना रटा-रटाया बात कहे. उनके उटपटांग मंत्री हैं. मंत्री बाधा डालने लगे. बात नहीं रखने दिया गया. सरकार पूरी तरह से नहीं चाहते कि एसआईआर पर चर्चा हो.

उन्होंने कहा कि अब तक चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है. देश में बिहार में चुनाव हो रहा है. अचानक इतना बड़ा ड्राइव शुरू किया गया. कई सवाल है. कई कंफ्यूजन है. मजबूरन अदालत का सहारा लेना पड़ा. केवल नंबर्स को पूरा करने के लिए 98 फीसदी कर दिया. ग्राउंड हकीकत अलग है. गाइड लाइंस फॉलो नहीं किया जा रहा है. बड़ी धांधली हुई है. केवल आईवाश हुआ है.

बीजेपी के इशारे पर चुनाव आयोग कर रही है काम: उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रही है. पहले वोटर उनहोंने कहा कि पहले सरकार चुनती थी. अब सरकार वोटर्स चुन रही है. संविधान को खत्म करना चाहते हैं. राजशाही लाना चाहते हैं. हर प्लेटफार्म पर अड़ेंगे. चुनाव आयोग को आज नहीं तो कल जवाब देना होगा।

चुनाव के बॉयकॉट पर कहा कि लोगों से बात करेंगे. आप चुनाव ईमानदारी से कराइगा नहीं. तो चुनाव का क्या मतलब है? सरकार को एक्सटेंशन दे दे. खुल कर नंगापन आ गया तो अपने आकाओं को बनाए रखो. लोकतंत्र को खत्म करने और हमारी बचाने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के एड्रैस पर 70 फर्जी वोटर बनाया गया. चंडीगढ़ में कैसे धांधली हुई. बीजेपी यही कराती है. चुनाव आयोग का यही हाल है. चार दिन की चांदनी है. फिर पता चलेगा. जनता जागेगी तो जनता जवाब देगी.

महागठबंधन में हो गया है सीटों का बंटवारा उन्होंने कहा कि सभी पीएम, मुख्यमंत्री हो,सभी जनप्रतिनिधि हैं. वोटर वोट देती है. जब वोटरों का नाम कट जाएगा तो हमारा क्या काम है. यदि हम उनकी रक्षा नहीं कर पाएंगे तो हमारा क्या काम है. उस लोकतंत्र के मंदिर में चर्चा नहीं होगी. जिससे स्पीकर, पक्ष और विपक्ष बनता है. तो फिर सदन का क्या मतलब रहेगा? काम छोड़ कर चर्चा इस पर होनी चाहिए. केवल वोट का अधिकार नहीं छीना जा रहा है. अस्तित्व ही छीना जा रहा है. यदि नागरिक है, तो वोट देने तो. वोट नहीं देने दे रहे हो तो इस देश का नागरिक नहीं है. क्या पता उसकी संपत्ति ही कब्जा ही लेंगे. यदि वोटर ही नहीं रहा तो अधिकार के साथ-साथ ही अस्तित्व ही नहीं रह जाएगा

महागठबंधन की सीटों के बंटवारे पर उन्होंने कहा कि सबकुछ तय हो गया है. कुछ दिन में ही लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रख देंगे. कोई उपलब्धि नहीं हैतो केवल दोष लगाएंगे. इनका कोई रोडमैप नहीं है. कैसे बिहार को आगे कैसे ले जाना है. ये लोग बिहार की भलाई और तरक्की नहीं चाहते हैं.

निशांत को लेकर तेजस्वी ने कहा कि आएं तो अच्छी बात है. यह तो उनके पिता को निर्णय लेना है. नीतीश जी लाना चाह रहे हैं या उनका कोई रोक रहा है. नीतीश का यह आखिरी चुनाव है. इसके बाद वह मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहा है. जदयू को कौन बचाएगा. यह तो वही लोग बताएंगे.

मॉनसून सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन यानी SIR के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार कर रखा है. SIR के मुद्दे पर पटना से दिल्ली तक सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है. बिहार में महागठबंधन की अगुवाई कर रहे राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक की पार्टियां इस मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग कर रही हैं।

बिहार एसआईआर के मुद्दे पर दो दिन से संसद के दोनों सदन नहीं चल पा रहे हैं. विपक्ष बिहार रक्षक्रको वापस लेने की मांग कर रहा है, संसद में चर्चा चाह रहा है. रक्षक्रपर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही ठप है. सदन के भीतर और बाहर विपक्षी दल प्रदर्शन कर रहे हैं।

अब खबर है कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं होगी. सरकार के टॉप सूत्रों का कहना है कि सरकार चुनाव आयोग की ओर से जवाब नहीं दे सकती. सरकार चुनाव आयोग की ओर से कैसे बोल सकती है. सरकार के शीर्ष सूत्रों ने स्पष्ट कहा कि संसद में एसआईआर पर कोई चर्चा नहीं होगी. बिहार में वोटर लिस्ट का एसआईआर चुनाव आयोग की ओर से कराया जा रहा है, सरकार की ओर से नहीं।

गौरतलब है कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन के लिए अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के तहत एसआईआर के लिए अब दो दिन का समय बाकी रह गया है. चुनाव आयोग की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इस अभियान के तहत अब तक सूबे के 98.01% वोटर कवर किए जा चुके हैं।

बिहार की वोटर लिस्ट में 20 लाख नाम ऐसे पाए गए हैं, जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है. वहीं, आठ लाख ऐसे मतदाताओं को भी चिह्नित किया गया है, जिनका पता अब बदल चुका है. कुल मिलाकर 50 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की जानकारी चुनाव आयोग की ओर से दी जा चुकी है।

राज्यसभा में एसआईआर पर बढी रार

नई दिल्ली। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के विरोध में लामबंद विपक्ष ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है और बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विरोध कर रहे विपक्षी दलों के हंगामे के कारण राज्यसभा में पिछले दो दिन से कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका है।

पीठासीन उप सभापति भुवनेश्वर कलिता ने दूसरे स्थगन के बाद दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल को समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक 2025 चर्चा और पारित करने के लिए सदन में पेश करने को कहा।

इस बीच विपक्षी दलों के सदस्य अपनी जगह से उठकर आसन के निकट आकर खड़े हो गये। वे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए एसआईआर वापस लो के नारे लगाने लगे। हंगामे के बीच ही श्री सोनोवाल ने विधेयक पेश कर दिया।

पीठासीन उप सभापति ने अन्नाद्रमुक के एम तंबी दुरै को विधेयक पर चर्चा शुरू करने को कहा। श्री दुरै के बोलने के लिए खड़े होते ही विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी तेज कर दी। उप सभापति ने सदस्यों से शांत होने तथा अपनी जगहों पर लौटने की अपील की लेकिन इसका असर न होते देख उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही पहले बारह बजे और फिर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी थी। इस तरह उच्च सदन में दूसरे दिन भी कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका।

राज्यसभा में आज 25 सदस्यों ने नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के दिये थे।

सर्वश्री अखिलेश प्रसाद सिंह, रजनी पाटिल, रंजीत रंजन, नीरज डांगी , साकेत गोखले, अशोक सिंह, नासिर हुसैन, जॉन ब्रिटास, मोहम्मद नदीमुल हक, टी सी चन्द्रशेखर, महुआ माझी, तिरूचि शिवा, सुष्मिता देव , अब्दुल वहाब और रेणुका चौधरी ने अपने नोटिसों में सभी विधायी कामकाज रोककर चुनाव आयोग के बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की थी जबकि आम आदमी पार्टी के संदीप पाठक और संजय सिंह ने दिल्ली में झुग्गी बस्तियों को तोड़े जाने तथा तृणमूल कांग्रेस के रीताब्रत बनर्जी ने बंगाली आव्रजक श्रमिकों के साथ अन्य राज्यों में भेदभाव के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की । इसके अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वी शिवदासन ने देश में बढ़ती हवाई दुर्घटनाओं के मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिया था।

उप सभापति ने कहा कि ये सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं और इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया गया है।

उनके इतना कहते ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपनी सीट से उठकर आसन के निकट आकर नारेबाजी करने लगे। श्री हरिवंश ने कहा कि यह शून्यकाल है और यह सदन में सदस्यों का समय होता है।

इसलिए सदस्य अपनी जगह पर लौट जाएं और सदन की कार्यवाही चलने दें। उप सभापति ने सदस्यों से बार बार शांत होने तथा अपनी जगहों पर लौटने की अपील की लेकिन इसका असर न होते देख उन्होंने सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद बारह बजे भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में मंगलवार को भी विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा किया था जिसके कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो सका था।

आस्था लोगों को जोड़ने का काम करती है: अखिलेश यादव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की एक तस्वीर को लेकर भाजपा हमलावर है, जिसमें वो अपनी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में स्थित एक मस्जिद में बैठक करते हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा ने उनकी इस तस्वीर पर तंज कसते हुए कहा कि अब मस्जिद ही सपा का कार्यालय बन गया। इसी को लेकर अब अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में अपनी इस तस्वीर के संदर्भ में कहा कि यह आस्था है। हम सभी आस्था का सम्मान करते हैं। आस्था समाज में लोगों को जोड़ने का काम करती है। लेकिन, अफसोस की बात है कि भाजपा लोगों को तोड़ने की कोशिश में रहती है। भाजपा को तो सभी लोग जानते ही हैं। उनका हथियार ही धर्म है। इसी धर्म का सहारा लेकर वो समाज में लोगों को विभाजित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन, हम लोगों को जोड़ते हैं। साथ ही, जब अखिलेश यादव से कहा गया कि भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा आपकी इस तस्वीर को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि उनके पास यह भी संगठन है अभी तक तो हमें जानकारी मिली थी कि यह लोग अंडरग्राउंड होकर काम करते हैं। लेकिन, हमें पहली बार इस संगठन के बारे में पता चला है।

इसके अलावा, उन्होंने पसमांदा समुदाय का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने शासनकाल में पसमांदा और बुनकर समाज के कल्याण के लिए काम किए थे। लेकिन, भाजपा ने सत्ता में आने के बाद इस समुदाय के सभी काम रोक दिए थे। सपा ने पसमांदा समुदाय को मुफ्त में बिजली देने का भी मार्ग प्रशस्त किया था। लेकिन, भाजपा ने इसे रोक दिया। अब मेरा भाजपा से आग्रह है कि वो पसमांदा समुदाय के लिए बिजली फिर से फ्री कर दे।सपा प्रमुख ने तंज कसते हुए कहा कि आज की तारीख में उत्तर प्रदेश के बिजली मंत्री की हालत ऐसी हो चुकी है कि वो जहां कहीं भी जा रहे हैं, वहां पर बिजली चली जा रही है। उन्होंने बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पर कहा कि समय-समय पर चुनाव आयोग पर सवाल उठते रहे हैं। चुनाव आयोग का मूल यह सुनिश्चित कराना है कि निष्पक्ष तरीके से चुनाव हो। लेकिन, यहां पर आयोग अपने कामों से भटक चुका है। अब वो यह कोशिश कर रहा है कि कैसे लोगों के वोट काटे जाएं। वहीं, उन्होंने जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बारे में कहा कि हमें जानकारी मिली है कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से त्यागपत्र दिया है।

नीट-यूजी बिजली कटौती: न्यायालय का दो छात्रों को काउंसलिंग के लिए अस्थायी मंजूरी देने से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को उन दो अभ्यर्थियों को नीट-यूजी, 2025 की काउंसलिंग में शामिल होने के लिए अस्थायी मंजूरी देने से इनकार कर दिया, जिन्हें मध्य प्रदेश में अपने परीक्षा केंद्रों में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने हालांकि, नव्या नायक और एस साई प्रिया की याचिकाओं को 25 जुलाई को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 14 जुलाई के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनके लिए दोबारा परीक्षा कराने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकताओं के वकील ने कहा कि काउंसलिंग के लिए अधिसूचना जारी की गई है। याचिकाकताओं ने काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति के निर्देश के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि दोनों याचिकाओं में दोबारा परीक्षा कराने का अनुरोध किया गया है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे परीक्षा देने वाले लाखों छात्र प्रभावित होंगे। पीठ ने अंतरिम निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया और सुनवाई स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत 16 जुलाई को उन उम्मीदवारों की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी जो परीक्षा में शामिल हुए थे और कुछ केंद्रों पर बिजली गुल हो गई थी। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने एनटीए को राज्य के इंदौर और उज्जैन स्थित कुछ केंद्रों पर बिजली कटौती से प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए नीट-यूजी, 2025 की पुनः परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एनटीए की याचिका पर एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया, लेकिन भविष्य में इस तरह की किसी भी पुनरावृत्ति के प्रति आगाह किया।

हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किये जा रहे: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन चुप नहीं बैठेगा और संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेगा। राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा कि ये सिर्फ बिहार की बात नहीं है। महाराष्ट्र में भी चोरी की। हमने चुनाव आयोग से मतदाता सूची मांगी, वीडियो मांगे, लेकिन उन्होंने हमें नहीं दिया। वीडियोग्राफी देने का कानून ही बदल दिया: राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने वीडियोग्राफी देने का कानून ही बदल दिया। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। उनका कहना था कि कर्नाटक में हमने अध्ययन किया है और भयंकर चोरी पकड़ी है। मैं ब्लैक एंड व्हाइट में आपको और चुनाव आयोग को बता सकता हूं कि कहां और कैसे चोरी की जा रही है।

हम खेल समझ गए हैं। हमने कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र चुना और उसे पूरी तरह से समझा। छह महीने लगे और हमने चुनाव चोरी करने का इनका सारा सिस्टम समझ लिया है। उनके मुताबिक, अध्ययन से यह पता चला है कि कैसे नए वोटर बनते हैं, कौन वोट करता है और कहां से वोट होता है। राहुल गांधी ने दावा किया, इनको समझ आ गई है कि हमने इनकी चोरी पकड़ ली है। इसलिए अब ये बिहार में पूरा का पूरा सिस्टम (चुनाव चोरी का) नए तरीके से कर रहे हैं। ये मतदाताओं का नाम हटाएंगे और नए तरीके से सूची बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। ये सच्चाई है हिंदुस्तान की। संसद से सड़क तक लड़ाई: बाद में राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं, ये सच्चाई है। महाराष्ट्र में कैसे मैच फिक्सिंग हुई, हमने सबको दिखाया। कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की जांच की, वहां बड़े पैमाने पर वोट चोरी मिली, जल्द जनता के सामने लाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के नाम पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक भाइयों-बहनों के वोट चुराए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता जोर देते हुए कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे। इंडिया गठबंधन जन अधिकार की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ेगा।

संक्षिप्त खबर

कांग्रेस ने मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों के प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों के कथित प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।कांग्रेस ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि देश के कुछ राज्यों की सरकारें मालदा एवं मुर्शिदाबाद के बंगाली प्रवासी मजदूरों और फेरीवालों को निशाना बना रही हैं। उन्हें पीटा जा रहा है। परेशान किया जा रहा है। गिरफ्तार किया जा रहा है और बांग्लादेश घुसपैठिया करार देकर उन पर अत्याचार किया जा रहा है।कांग्रेस ने इसे मौलिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि यह अनुच्छेद 19(1) के तहत देश के किसी भी हिस्से में स्वतंत्र रूप से आने-जाने, रहने और काम करने के प्रत्येक भारतीय के मौलिक अधिकार पर हमला है।उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार देश में घुसपैठियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। दिल्ली से गुजरात तक और उत्तर प्रदेश से लेकर ओडिशा तक भाजपा शासित राज्यों में प्रशासन लगातार अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान चला रहा है और उन्हें चिह्नित कर उन्हें निर्वासित किया जा रहा है।

आप आदमी पार्टी के पास 'दारू पीने वाले घोड़े', कांग्रेस के घोड़े आजादी के सिपाही :डॉक्टर नरेश कुमार का तीखा हमला

नई दिल्ली, टाउनहॉल टाइम्स न्यूज नेटवर्क। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा कांग्रेस और राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी पर सख्त प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉक्टर नरेश कुमार ने तीखा हमला बोला है? डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि कांग्रेस के वही घोड़े थे जिन्होंने देश को आजादी दिलाई, शहादतें दीं और आज भी लोकतंत्र की हिफाजत के लिए खड़े हैं? लेकिन आम आदमी पार्टी के पास जो घोड़े हैं, वो तो दारू पीने वाले घोड़े हैं, और वो भी एक के साथ एक फ्री दारू वाले! केजरीवाल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉक्टर नरेश कुमार ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली से पूरी तरह गायब हो चुके हैं। न कोई बयान, न कोई चिट्ठी, न कोई खबर। अब बीजेपी की मदद करने के लिए गुजरात में डेरा डाल दिया है। किसानों के एक कार्यक्रम में दो करोड़ रुपये मुआवजे की बात तो कर दी, लेकिन दिल्ली के किसान उनके 11 साल के शासन में तरसते रह गए। किसानों के मुद्दों पर कभी एक शब्द नहीं बोला गया, न ही सर्किल रेट बढ़ाए गए। उन्होंने कहा कि जब खुद को जेल से बाहर निकालना होता है तो वक़्त निकाल लेते हैं, लेकिन किसानों के लिए इनके पास समय नहीं होता। अरविंद केजरीवाल झूठे नारों के बादशाह बन चुके हैं। अंत में डॉक्टर नरेश कुमार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि ऐसी गैर-गंभीर राजनीति से देश को नुकसान पहुंचता है। जनता को चाहिए कि वो हकीकत परख कर फैसला ले और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं को आगे बढ़ाए।

संसद में सड़क जैसा व्यवहार कर रहे हैं, लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर भड़के ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बुधवार को सदन में विपक्ष के हंगामे को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेताते हुए कहा कि आप संसद में भी सड़क जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में तख्तियां दिखाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होने पर भी जारी रहा। विपक्षी सांसद पोस्टर-तख्तियां लेकर लोकसभा में वेल के अंदर पहुंचे और हंगामा करने लगे। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराजगी व्यक्त की और उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, मैं फिर कहना चाहता हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। प्रश्नकाल के दौरान शुरूआती कुछ मिनट में रेलवे से जुड़े विषय पर सवाल-जवाब हुए। हालांकि, इस बीच हंगामा नहीं रुकने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला विपक्ष पर भड़क गए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, संसद हमारी गौरवशाली लोकतंत्र की संस्था है। सभी से आग्रह है कि संसद परिसर के अंदर व्यवहार, आचरण और कार्य पद्धति मर्यादित होनी चाहिए। देश की जनता ने आपको उनकी आवाज, समस्याओं, देश के मुद्दों और नीतियों पर चर्चा के लिए भेजा है। आप सड़क जैसा व्यवहार संसद में कर रहे हैं।

हिंदी भाषी

हिंदुस्तान में नफरत का बीज बोया करते हैं,
हिंदी भाषी को नफरत का शिकार बनाया करते हैं।
कभी बंगाल , कभी तमिलनाडु ,कभी महाराष्ट्र में
हिंदी भाषी शिकार होते हैं।
कभी उंच नीच जाति में लड़ाई होते रहता है,
आखिर ओछी राजनीति क्यों करवाते हैं ।
अपने ही देश में भाषा के बीच नफरत फैलाते हैं
अगर यही नफरत का चिंगारी विदेशों में चला गया
तो
क्या हाल हो सकता है।
हिंदी भाषियों को कितना कष्ट झेलना पड़ सकता है।
हिंदी भाषा एक राष्ट की पहचान है
हिंदुस्तान के लिए हिंदी भाषा गौरव की बात है
सरकार को भाषा भेद करने वाले के उपर
तत्काल नकेल कसना चाहिए ,
शांतिपूर्ण माहौल कायम करवाना चाहिए।

मजदूर, टाउन हॉल टाइम्स

ओरिएंट पेपर मिल में दोपहर में हुआ फिर दर्दनाक हादसा, टिशु प्लांट-3 में मशीन में दबने से मनीष की मौत

शहडोल, मध्य प्रदेश, टाउनहॉल टाइम्स न्यूज नेटवर्क। ओरिएंट पेपर मिल, अमलई में एक बार फिर एक दुखद हादसा सामने आया है, बताया जाता है जिसमें टिशु प्लांट-3 में कार्यरत शिफ्ट इंचार्ज मनीष सिंह की मशीन में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना बुधवार, 23 जुलाई 2025 को दोपहर के समय हुई, जिसने पूरे मिल परिसर में शोक की लहर दौड़ा दी। इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा मानकों और श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।
जानकारी के अनुसार, मनीष सिंह, जो कि टिशु प्लांट-3 में शिफ्ट इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे, बुधवार को अपनी ड्यूटी के दौरान पेपर मशीन की जांच या मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मशीन में तकनीकी खराबी या लापरवाही के कारण वे मशीन में फंस गए। बताया जा रहा है कि मशीन के भारी-भरकम हिस्से में दबने से मनीष सिंह को गंभीर चोटें आईं, और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मिल के अन्य कर्मचारी और प्रबंधन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक मनीष सिंह की जान जा चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मशीन को बंद करने और मनीष को निकालने में काफी समय लग गया। घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि मशीन में अचानक आई खराबी या ऑपरेशनल त्रुटि इस हादसे का कारण हो सकती है। हालांकि, प्रबंधन ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।
पुलिस और प्रशासन का रुख: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में इसे एक दुर्घटना माना जा रहा है, लेकिन पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।
कर्मचारी यूनियन और सहकर्मियों में आक्रोश इस हादसे के बाद मिल के कर्मचारियों और स्थानीय यूनियन में आक्रोश देखा जा रहा है। कर्मचारी यूनियन ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।
सूत्रों के अनुसारमनीष सिंह, जो कि शहडोल के स्थानीय निवासी थे, अपने परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। इस हादसे ने उनके परिवार पर गहरा आघात पहुंचाया है।
पहले भी हो चुके हैं हादसेः यह पहली बार नहीं है जब ओरिएंट पेपर मिल, अमलई में इस तरह का हादसा हुआ हो। इससे पहले भी मिल में कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें कुछ में कर्मचारियों की जान भी गई है।
विशेषज्ञों का कहना है कि पेपर मिल जैसे जोखिम भरे उद्योगों में मशीनों की नियमित रखरखाव, कर्मचारियों को सुरक्षा प्रशिक्षण, और आपातकालीन उपायों का होना बेहद जरूरी है। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और श्रम विभाग से यह मांग उठ रही है कि मिल में सुरक्षा ऑडिट किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

उप क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, ओखला में सुविधा समागम का आयोजन

नई दिल्ली। उप क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, ओखला परिसर में आज को सुविधा समागम का आयोजन किया गया। सुविधा समागम में साहिल अग्रवाल, संयुक्त निदेशक (प्रभारी), उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला एवं श्री गुरप्रीत सिंह, सहायक निदेशक, हितलाभ शाखा एवं चारों शाखा कार्यालयों के शाखा प्रबन्धक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बीमितों की समस्याओं को सुना गया एवं मौके पर ही उनका निवारण किया गया। गुरप्रीत सिंह , सहायक निदेशक ने बीमितों एवं नियोजकों को बताया गया कि मुख्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के आदेशानुसार प्रत्येक माह के द्वितीय बुधवार को उप क्षेत्रीय कार्यालय ओखला में एवं प्रत्येक माह के द्वितीय शुक्रवार को उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला के अंतर्गत आने वाले चारों शाखा कार्यालय ओखला, कालकाजी, पालम एवं आश्रम में सुविधा समागम का आयोजन किया जाता है। उक्त सुविधा समागम में नियोजकों एवं बीमितों को निगम की योजनाओं के संबंध में आने वाली समस्याओं को सुना एवं उनका मौके पर ही निवारण भी किया जाता है। इस मौके पर साहिल अग्रवाल, संयुक्त निदेशक (प्रभारी), उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला ने सभी नियोजकों एवं बीमतों से अपील की गई कि वे उन्हें निगम की योजनाओं में आ रही किसी भी प्रकार की समस्याओं हेतु उक्त सुविधा समागम का लाभ लें।

लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी : पीएम मोदी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक और समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर देश के प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर तिलक के योगदान को याद किया और उनके विचारों को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि लोकमान्य तिलक एक अग्रणी नेता थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। वे एक महान विचारक थे, जो ज्ञान और सेवा में विश्वास रखते थे। पीएम ने लिखा, लोकमान्य तिलक को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने स्वतंत्रता की भावना को प्रज्वलित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिलक को स्वराज का उद्घोषक बताते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक ऊर्जा दी। उन्होंने लिखा, तिलक जी ने गणेशोत्सव और गीता रहस्य के माध्यम से स्वाधीनता को भारतीय संस्कृति से जोड़ा। उनका योगदान युवाओं को हमेशा प्रेरित करेगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तिलक को स्वराज्य का उद्घोषक और महान विचारक बताते हुए कहा कि उन्होंने गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव जैसे आयोजनों के जरिए जनता में एकता का भाव जगाया। उन्होंने लिखा, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अग्रदूत, पूर्ण स्वराज्य के उद्घोषक, महान विचारक, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करता हूं। लोकमान्य तिलक जी ने गणेश उत्सव और छत्रपति शिवाजी के महोत्सवों जैसे अनेक त्योहारों को सार्वजनिक रूप से मनाकर जन-जन को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध एकता के भाव को मजबूती प्रदान की। संस्कृति और राष्ट्र की रक्षार्थ आपके तेजस्वी विचार हम सभी को राष्ट्र सेवा एवं समाज के उत्थान के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तिलक को स्वराज्य का मूल मंत्र देने वाला समाज सुधारक बताया।

जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार, विशेष बेंच का होगा गठन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग कपिल सिब्बल ने की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भरोसा दिया है कि इस मामले के लिए जल्द ही एक विशेष बेंच का गठन किया जाएगा। हालांकि चीफ जस्टिस बी. आर. गवई इसका हिस्सा नहीं होंगे।
वकील कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी और सिद्धार्थ लूथरा जस्टिस यशवंत वर्मा की ओर से पेश हुए। कपिल सिब्बल ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला उठाते हुए कहा, इस मामले में कई संवैधानिक पहलू जुड़े हैं। हम आग्रह करते है कि इस अर्जी पर जल्द सुनवाई के लिए बेंच का गठन करें।
सिब्बल के अनुरोध को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने इस दिशा में कदम उठाने का फैसला किया। विशेष बेंच के गठन के बाद इस मामले की सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी। सीजेआई बी. आर. गवई इस मामले के लिए ऐसी बेंच का गठन करेंगे, जिसमें वह खुद न हो। विभिन्न विपक्षी दलों के 63 राज्यसभा सांसदों ने सोमवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए सभापति को प्रस्ताव का नोटिस सौंपा। कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ यह नोटिस सौंपा गया था। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को इसकी जानकारी दी थी। न्यायमूर्ति शेखर यादव को हटाने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव 13 दिसंबर, 2024 को राज्यसभा के सभापति को सौंपा गया था। इससे पहले संसद के मानसून सत्र का आगाज होते ही 145 लोकसभा सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए लोकसभा स्पीकर को ज्ञापन सौंपा। सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत यह कदम उठाया है। बता दें कि 15 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर कैश मिला था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। जले और अधजले नोटों का एक वीडियो भी बहुत वायरल हुआ था। हालांकि, अब इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संसद इन आरोपों की जांच करेगी। महाभियोग प्रस्ताव के तहत आगे की प्रक्रिया संसद में विचार-विमर्श और जांच के बाद तय की जाएगी। इस घटना ने न्यायिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसने सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम को भी तत्काल कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा और डोपिंग नियंत्रण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 लेकर आई है। लोकसभा में बुधवार को विधेयक पेश किया गया। विधेयक विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 2022 के इससे जुड़े अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक लोकसभा में पेश किया। विधेयक का उद्देश्य खेलों में डोपिंग रोधी उपायों को बढ़ावा देना और मजबूत करना तथा राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के संचालन के लिए एक वैधानिक ढांचा प्रदान करना, तथा खेलों में डोपिंग रोधी राष्ट्रीय बोर्ड का गठन करना है।

सरकार पर हमलावर राहुल गांधी, पूछे डोनाल्ड ट्रंप के दावे, मतदाता सूची पर सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार पर विदेश नीति, ऑपरेशन सिंदूर और चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार देश की रक्षा, विदेश नीति और लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे से जुड़े सवालों पर जवाब देने से बच रही है। बातचीत के दौरान राहुल गांधी अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे, मतदाता सूची और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए।
उन्होंने अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि ट्रंप खुद 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत में संघर्ष विराम करवाया है, लेकिन भारत सरकार या प्रधानमंत्री ने इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, अगर ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, तो फिर सरकार कैसे कह सकती है कि विजय प्राप्त हो गई है या तो युद्ध जारी है या खत्म हुआ है, दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकतीं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि युद्ध के दौरान किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार की विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। बिहार में चल रही मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल बिहार की बात नहीं है, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी इसी तरह की गड़बड़ियां सामने आईं थीं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए, लेकिन जब कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से रिकॉर्ड और वीडियोग्राफी की मांग की, तो उसे नजरअंदाज कर दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस ने गहराई से जांच कर चुनावी चोरी को उजागर किया है और वे इसे ब्लैक एंड व्हाइट में दिखाने के लिए तैयार है।

नये उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए तैयारियां शुरू, चुनाव आयोग जल्द घोषित करेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उप राष्ट्रपति पद से श्री जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद इस पद के लिए निर्वाचन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने बुधवार को जारी एक प्रेस नोट में कहा कि नये उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए उसने तैयारी शुरू कर दी है और तैयारी पूरी हो जाने के बाद चुनाव का कार्यक्रम जल्द से जल्द घोषित कर दिया जाएगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने से पहले की तैयारियों में निर्वाचक मंडल की सूची तैयार करने , रिटर्निंग ऑफिसर तथा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तय करने और उप राष्ट्रपति पद के लिए पूर्व में हुए सभी चुनावों से संबंधित सामग्री जुटाने और उसकी जानकारी देने का काम शामिल है। आयोग ने कहा है कि गृहमंत्रालय मंगलवार को एक गजट अधिसूचना के जरिए श्री जगदीप धनखड़ के उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफे की सार्वजनिक सूचना जारी कर चुका है। आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत इस पद के लिए चुनाव कराने का दायित्व प्राप्त है। उप राष्ट्रपति का चुनाव राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 तथा तत्सम्बंधी 1974 के नियमों द्वारा निर्देशित होता है। उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों, राज्य सभा और लोक सभा के सभी सदस्य शामिल होते हैं। उल्लेखनीय है कि श्री धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से सोमवार को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा था जो तत्काल प्रभाव से मंजूर हो गया था।

देश में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए केंद्र ने राज्यों को जारी किए 33,081 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्त वर्ष 2021-22 से लेकर वित्त वर्ष 2025-26 के बीच 33,081.82 करोड़ रुपए जारी किए हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव की ओर से संसद को दी गई। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में, जाधव ने प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य प्रणालियों और संस्थानों की क्षमता विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत किए गए उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर हेल्थ सिस्टम को वर्तमान और भविष्य की महामारियों या आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार करने में मदद कर सकता है। जाधव ने कहा कि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्त वर्ष 2021-22, वित्त वर्ष 2022-23, वित्त वर्ष 2023-24, वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 33,081.82 करोड़ रुपए दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस राशि का उपयोग 10,609 बिना भवन के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), 5,456 शहरी एएएम, 2,151 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयों (बीपीएचयू), जिला स्तर पर 744 एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) और 621 क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉकों (सीसीबी) के निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए किया गया है। पीएम-एबीएचआईएम, केंद्र सरकार की योजना है। वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 के बीच इस योजना का परिव्यय 64,180 करोड़ रुपए रहा है।

न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई से मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्वयं को अलग किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका पर होने वाली सुनवाई से स्वयं को बुधवार को अलग कर लिया। न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर रहने के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के अपने सरकारी आवास से कथित तौर पर नगदी मिलने के मामले में आंतरिक जांच प्रक्रिया और उनके स्थानांतरण तथा न्यायाधीश के पद से हटाने के फैसले की वैधता को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की है।
मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई से अपने आप को अलग करते हुए कहा कि चूँकि वह उनके स्थानांतरण (दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में) के निर्णय का हिस्सा थे, इसलिए उनके लिए इस मामले में सुनवाई करना उचित नहीं होगा। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दायर एक याचिका पर विचार करने के लिए सहमति व्यक्त करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेंगे।
मुख्य न्यायाधीश गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख करने पर अदालत ने सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी, सिद्धार्थ लूथरा और सिद्धार्थ अग्रवाल भी न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश हुए। वकील ने कहा कि इस मामले में कुछ संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं। न्यायमूर्ति वर्मा पर नकदी बरामदगी के मामले में एक आंतरिक जाँच रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है। शीर्ष अदालत की इस आंतरिक रिपोर्ट में उनके खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई और उन्हें हटाने की सिफारिश भी शामिल है। न्यायमूर्ति वर्मा को इस वर्ष मार्च में उनके आवास पर कथित तौर पर नकदी मिलने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय से उनके मूल न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। उन्होंने एक रिट याचिका में आंतरिक प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई और उचित प्रक्रिया से इनकार किये जाने का दावा किया।उन्होंने न्यायाधीशों की समिति द्वारा जाँच शुरू करने से पहले औपचारिक शिकायत न होने का मुद्दा भी उठाया। न्यायमूर्ति वर्मा ने तर्क दिया कि 22 मार्च, 2025 को उनके खिलाफ आरोपों का खुलासा करते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति वेबसाइट पर अपलोड करने (शीर्ष न्यायालय के) से मीडिया में तीव्र अटकलें लगाई गईं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन हुआ। न्यायमूर्ति वर्मा ने यह भी तर्क दिया कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित न्यायाधीशों की समिति ने उन्हें आरोपों का खंडन करने या गवाहों से जिरह करने का अवसर नहीं दिया।

गोवा शिपयार्ड में निर्मित आईसीजी का स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रचेत लांच

यह पोत तेल रिसाव होने पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में तटरक्षक बल की मदद करेगा

नई दिल्ली। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में निर्मित दूसरा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रचेत बुधवार को लांच कर दिया गया। पहला प्रदूषण नियंत्रण पोत (जीएसएल यार्ड 1267) पिछले साल 29 अगस्त को लांच किया गया था, जिसकी अब जल्द ही आपूर्ति होने वाली है। आज लांच किया गया पोत (जीएसएल यार्ड 1268) जीएसएल में निर्मित दो प्रदूषण नियंत्रण पोत श्रेणियों में से अंतिम पोत है। दूसरे पोत की लांचिंग भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि की मौजूदगी में उनकी पत्नी प्रिया परमेश के हाथों हुई। इन प्रदूषण नियंत्रण पोतों का डिजाइन और निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। अपने संबोधन में महानिदेशक शिवमणि ने समुद्री क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल के लिए प्रदूषण प्रतिक्रिया पोतों के महत्व और जीएसएल एवं आईसीजी के बीच तालमेल पर प्रकाश डाला। उन्होंने तटरक्षक बल की प्रमुख जहाज निर्माण आवश्यकताओं को स्वदेशी रूप से पूरा करने के लिए जीएसएल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समुद्र प्रचेत का शुभारंभ हमारे देश की जहाज निर्माण क्षमता का एक अनुकरणीय प्रमाण है।

उन्होंने सभी बाधाओं को पार करते हुए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने पर जीएसएल के कर्मचारियों को बधाई देते हुए आान किया कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना सही दिशा में होना चाहिए। दूसरे प्रदूषण नियंत्रण पोत की लांचिंग के साथ जीएसएल और भारतीय तटरक्षक बल आत्मनिर्भरता के पथ पर निरंतर आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत को साकार कर रहा है। समारोह में जीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बृजेश कुमार उपाध्याय, रक्षा मंत्रालय, तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारी और जीएसएल के कर्मचारी उपस्थित थे। आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि इन पोतों को भारतीय तटरक्षक बल की जरूरतों को पूरा करने के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने डिजाइन और निर्मित किया है। पोत की लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर है और इसका विस्थापन 4170 टन होगा। इन पोतों में अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण लगे हैं। इसलिए यह पोत हमारे ईईजेड में किसी भी तेल रिसाव की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में तटरक्षक बल की मदद करेगा। इस परियोजना ने गोवा में समुद्री उत्पादन गतिविधियों में लगे स्थानीय उद्योग और एमएसएमई के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन किया है।

संक्षिप्त खबर

पति की चाकू घोपकर हत्या, महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में महिला ने अपने पति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। बाद में आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया। लेकिन उसकी चालाकी काम नहीं आई। देवर से प्रेम प्रसंग चलने के कारण बाधा बन रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए उसने वारदात की। पुलिस ने आरोपी महिला फरजाना खान को गिरफ्तार कर लिया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया, रविवार शाम करीब 4.15 बजे वारदात की सूचना मिली। पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। छानबीन के दौरान शाहिद की पत्नी ने बताया कि उसके पति को ऑन लाइन सट्टे की लत है, इसकी वजह से उस पर कर्जा था। पति ने परेशान होकर खुद ही पेट में चाकू मारकर जान दी है। डॉक्टरों का कहना था कि जिस तरह से शाहिद को चाकू लगे हैं, उस तरह कोई खुद को चाकू नहीं मार सकता है। पुलिस ने शक के आधार पर शाहिद की पत्नी फरजाना क्ष्मो बाइल की हिस्ट्री से पता चला कि उसने यूट्यूब पर हत्या करने के तरीके की वीडियो देखी थी। इसके अलावा गूगल पर भी इसको सर्च किया था। बाद में सर्च हिस्ट्री को भी डिलीट करने की वीडियो देखने के सुराग उसके मोबाइल से मिले। सख्ती से पूछताछ करने पर महिला ने बताया, रविवार को उसने पति को खाने में नशे की गोलियां दीं। बाद में नशा होने पर उसने पति के पेट में चाकू से वारकर उसकी हत्या कर दी। बाद में परिवार को बताया कि पति ने खुद ही पेट में चाकू मार लिए हैं। परिजन उसे लेकर अस्पताल भागे, लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वर्ष 2022 नवंबर में बरेली निवासी फरजाना की शादी शाहिद से हुई थी। शादी के बाद फरजाना दिल्ली आ गई। फरजाना को वेल्डर पति कभी अच्छा नहीं लगा। इस बीच बरेली में रहने वाले चचेरे देवर से उसकी दोस्ती हो गई।

गैंगवार में जानलेवा हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने जहांगीरपुरी व भारत नगर इलाके में वर्चस्व कायम करने के लिए अपने विरोधी गुट पर जानलेवा हमला करने वाले दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर दर्जनभर आपराधिक मामलों में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों में वजीरपुर निवासी कृष्ण उर्फ नारायण और जहांगीरपुरी निवासी सुमित उर्फ चव्वा शामिल है। आरोपियों ने 9 जुलाई की रात जहांगीरपुरी इलाके में वजीरपुर के मच्छी पुल के पास परिवहन कर्मचारी फिरोज पर हमला किया था। आरोपियों को चौखंडी इलाके से पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कृष्ण गिरोह का सरगना है। वह अपने पिता कुडू स्वामी के नाम से गिरोह चलाता है। फिरोज के गिरोह से उसकी अदावत है।

लुटेरों को किराए पर बाइक देने वाले बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो लुटेरों और झपटमारों को किराए पर बाइक देता था। वह खुद भी झपटमारी करता था। आरोपी चोरी और झपटे गए मोबाइल व अन्य सामान भी खरीदता था। अब तक की जांच में पांच मामलों का खुलासा हो चुका है, जबकि अन्य के बारे में पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी कुलदीप उर्फ टोपी दिल्ली के नंद नगरी का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि यमुनापार में दिनदहाड़े झपटमारी व लूटपाट की घटनाओं में शामिल बदमाशों की धरपकड़ को लेकर एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने एक कुख्यात लुटेरे नवीन उर्फ गोल्डी को करीब दो महीने पहले गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में छह मामलों का खुलासा हुआ था। आरोपी के पास से एक स्कूटी बरामद की गई थी, जो कुलदीप उर्फ टोपी ने चोरी कर उसे वारदात के लिए दी थी। आरोपी ने बताया था कि कुलदीप चोरी के वाहन से ही वारदातों को अंजाम देता है। वह वारदात करने के लिए चोरी के वाहन अन्य बदमाशों को भी मुहैया कराता है। तभी से पुलिस को उसकी तलाश थी। इस बीच क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि कुलदीप नंद नगरी में मौजूद है, तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर चार झपटे गए मोबाइल फोन और चोरी की एक बाइक बरामद की गई।

केंद्र से धर्मांतरण रोकने के लिए विहिप ने की कठोर कानून बनाने की अपील

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने धर्मांतरण रोकने के लिए केंद्र से पूरे देश में कठोर कानून बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू होने के बाद भी वहां धर्मांतरण के मामले सामने आ रहे है, जो चिंता का विषय है। सुरेंद्र जैन ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के छांगुर के बाद आगरा के अब्दुल रहमान के पकड़े जाने पर इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं। इन सबूतों से स्पष्ट होता है कि किस धर्मांतरण का जाल पूरी मजबूती के साथ देश में बिछाया जा चुका है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि जिन राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून बना है, उन राज्यों के अंदर भी ये लोग मजबूती से काम कर रहे हैं। अब्दुल रहमान के पास जो लड़की मिली है, वह हरियाणा के रोहतक की रहने वाली है। हरियाणा में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू है। सुरेंद्र जैन ने कहा कि धर्मांतरण का कुचक्र केवल हिंदू समाज के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा है।

नगर निगम दक्षिणी जोन ने जागरूकता बढ़ाने के लिए एनसीसी के साथ 'मौन मार्च' का किया आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम दक्षिणी जोन ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के साथ मिलकर खतरनाक अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक बुधवार को 'मौन मार्च (साईलेंट मार्च)' का आयोजन किया। एनसीसी कैडेटों द्वारा सफदरजंग एन्क्लेव से आर.के.पुरम तक किए गए मार्च का नेतृत्व नगर निगम दक्षिणी जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा और एनसीसी के लेफ्टिनेंट कर्नल ज्ञानेश लांबा ने किया। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने एनसीसी को इस पहल के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली केवल एक सपना नहीं बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जिसे हमें मिलकर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को घरेलू खतरनाक अपशिष्ट के अनुचित प्रबंधन और निपटान के कारण सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी जोखिमों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर बोलते हुए दिलखुश मीणा ने कहा कि जब शब्द कम पड़ जाएं तो काम बोलते हैं। यह ह्यमौन मार्च' केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। यह हमारे शहर को साफ रखने वालों की रक्षा का एक वादा है। यह मौन मार्च इन सफाई कर्मचारियों के प्रति एक सम्मान है और प्रत्येक नागरिक से कचरे को स्त्रोत पर ही जिम्मेदारी से अलग करने का आह्वान है। उन्होंने बताया कि टूटे हुए कांच, ब्लेड, सैनिटरी कचरा, सीरिंज और रासायनिक कंटेनर जैसी खतरनाक सामग्री अगर ठीक से अलग न की जाए तो हमारे शहर को साफ रखने के लिए काम करने वालों को गंभीर चोट पहुंच सकती है।

एनसीसी लेफ्टिनेंट कर्नल ज्ञानेश लांबा ने कहा कि हम सभी को खतरनाक कचरे के निपटान में उचित सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इससे साफ-सफाई कर रहे सफाई कर्मचारियों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटों ने 'सफाई अपनाओ, बीमार भगाओ' अभियान के आदर्श वाक्य के साथ खतरनाक कचरे के अनुचित निपटान के जोखिमों पर बैनर प्रदर्शित किए। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छ सर्वेक्षण के बड़े लक्ष्यों के अनुरूप है और 2028 तक दिल्ली को 'एक स्वच्छ और सुरक्षित शहर' बनाने की दिल्ली नगर निगम दक्षिण क्षेत्र की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने नगर निगम के सभी निवासियों से एक स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन संस्कृति बनाने और सफाई कर्मचारियों की गरिमा और सुरक्षा की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभाने की अपील की।

एयूडी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नए आवेदनों की प्रक्रिया आरंभ

27 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली। डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अपने विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों को भरने के उद्देश्य से नए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि वे विद्यार्थी जो स्नातकोत्तर प्रवेश हेतु साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) में सम्मिलित हुए हैं, वे विश्वविद्यालय के निर्धारित पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, जिन छात्रों ने सीयूईटी परीक्षा में भाग नहीं लिया है, वे भी अपने स्नातक स्तर के अंक आधार पर एक अलग प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्राथमिकता सीयूईटी के माध्यम से आवेदन करने वाले छात्रों को ही दी जाएगी। यदि उनके बाद भी सीटें शेष रह जाती हैं, तो ही स्नातक अंकों के आधार पर आवेदन करने वाले छात्रों पर विचार किया जाएगा। इच्छुक छात्र 24 जुलाई से 27 जुलाई 2025 के बीच विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाकर अपनी पसंद के पाठ्यक्रम और श्रेणी के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पूर्व पात्रता मापदंडों की जांच करना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://aud.delhi.gov.in पर उपलब्ध है।

आईपी यूनिवर्सिटी में बी.आर्क कार्यक्रम की काउंसलिंग 29 जुलाई से : गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने बी. आर्क कार्यक्रम (प्रोग्राम कोड 100) के लिए प्रथम चरण की काउंसलिंग की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह प्रक्रिया 29 और 30 जुलाई 2025 को विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में प्रत्यक्ष रूप से आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने दस्तावेज सत्यापन के उपरांत एक मेरिट सूची तैयार की है, जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। काउंसलिंग इसी सूची के अनुसार की जाएगी।

भारी बारिश में धरने पर बैठे हुए छात्रों की मांगों की अनदेखी कर रहा है दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन: अभाविप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) और अभाविप नेतृत्व वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ का विश्वविद्यालय में छात्र हित संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। भारी बारिश में छात्र और कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ धरने पर अड़े हुए हैं।

अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि आज हमारे धरने का तीसरा दिन है। भारी बारिश के बीच भी छात्र विश्वविद्यालय प्रशासन से अपने अधिकार मांग रहे हैं लेकिन प्रशासन संवेदनहीन बना हुआ है। हमारी मांगें हर छात्र की आवाज हैं। उन्होंने कहा कि यदि विश्वविद्यालय छात्रों की आवाज नहीं सुनेगा तो यह चुप्पी और भी बड़े छात्र आक्रोश को जन्म देगी। अभाविप इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक पहुंचाएगा और तब तक पीछे नहीं हटेगा जब तक हर छात्र को उसका अधिकार नहीं मिल जाता। प्रदर्शन के तीसरे दिन छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान एवं राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल विशेष तौर पर उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र अधिकार एवं छात्रों की मूलभूत सुविधाओं में कमी को लेकर अभाविप ने 21 जुलाई को 'छात्र अधिकार मार्च' निकाला था। अभाविप ने इस मार्च के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष पीजी पाठ्यक्रमों में एक कोर्स एक फीस, केंद्रीकृत हॉस्टल आवंटन प्रणाली की स्थापना, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन और उसका सक्रिय संचालन तथा कॉलेजों में मनमानी फीस वृद्धि को वापस जैसी प्रमुख मांग को रखा था। जिसके पश्चात अभाविप एवं अभाविप नेतृत्व वाला दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ धरना पर बैठ गया था। धरने के पहले दिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने केंद्रीकृत हॉस्टल आवंटन प्रणाली की मांग को मान लिया लेकिन उसके बाद से अब तक सारी मांगों पर चुप्पी साधे हुए है। अभाविप का इसपर स्पष्ट मत है कि चाहे सप्ताह लग जाए या महीने हमारी मांगें जब तक पूरी नहीं होंगी तब तक हम ऐसे ही डटे रहेंगे।

थाने पर ग्रेनेड हमले का आतंकी दिल्ली में गिरफ्तार, बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े तार

नई दिल्ली। पंजाब के बटाला स्थित किला लाल सिंह थाने पर ग्रेनेड हमला करने व दिल्ली के आर्म्स एक्ट के एक मामले में वांछित आतंकी आकाशदीप सिंह उर्फ बाज को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। वह प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सक्रिय सदस्य है। बीते 7 अप्रैल को आकाशदीप व अन्य आतंकियों ने गुरदासपुर जिला के बटाला स्थित किला लाल सिंह थाने पर ग्रेनेड से हमला कर दिया था।

डीसीपी स्पेशल सेल अमित कौशिक के मुताबिक, आकाशदीप सिंह, गांव चनानके, अमृतसर, पंजाब का रहने वाला है। 22 वर्षीय आकाशदीप 11वीं पास है।

वर्तमान में वह इंदौर, मध्य प्रदेश में एक निर्माण स्थल पर क्रेन आपरेटर के रूप में काम कर रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि वह पंजाब के एक व्यक्ति के संपर्क में था जो विदेश से आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का संचालन कर रहा है। वह सोशल मीडिया एप्लिकेशन के माध्यम से उस हैंडलर के संपर्क में था और पंजाब समेत देश के अन्य हिस्सों में आपराधिक व आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए निर्देश प्राप्त कर रहा था।

स्पेशल सेल उन वांछित व सक्रिय गैंग्स्टरों और आतंकवादियों पर काम कर रहा है जो दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए संभावित खतरा हो सकते हैं। इसी कड़ी में स्पेशल सेल के आर्म्स एक्ट के एक मामले में शामिल आरोपितों की पहचान के दौरान सेल को अमृतसर के रहने वाले आकाशदीप के बारे में जानकारी मिली। वह अवैध हथियारों की आपूर्ति के मामले में वांछित था। बताया गया कि 7 अप्रैल को थाने पर ग्रेनेड हमले के बाद बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैप्पी पचिया, मन्नू अगवान और गोपी नवांशहरिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल की थी, जिसमें इन्होंने हमले की जिम्मेदारी लेने के साथ ही दिल्ली पर भी आतंकी खतरा होने का दावा किया था। इस तरह की जानकारी मिलने के बाद बीकेआई मॉड्यूल का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए गए। सूचना को विकसित करने पर पता चला कि बीकेआई से जुड़ा आकाशदीप गुजरात में कहीं छिपा हुआ है। उसे ढूंढने के लिए टीम को सक्रिय किया गया। कई दिनों तक अथक प्रयासों के बावजूद गुजरात में उसका पता नहीं चल सका। टीम ने उसकी तलाश जारी रखी। लगातार प्रयासों से पता चला कि वह मध्य प्रदेश चला गया है। 21 जुलाई को सूचना मिली कि आकाशदीप, इंदौर, मध्य प्रदेश में छिपा हुआ है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसीपी हृदय भूषण और राहुल विक्रम सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सतीश राणा और अशोक कुमार भड़ाना टीम ने इंदौर से 22 जुलाई को आकाशदीप को गिरफ्तार कर लिया।

नगर निगम ने आईटीओ के निकट 266 सरकारी दफ्तरों में मच्छरों के प्रजनन की जांच हेतु विशेष जांच अभियान चलाया: राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने बुधवार को दिल्ली के कार्यालयों में मच्छरों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि नगर निगम आईटीओ के निकट 266 सरकारी दफ्तरों में मच्छरों के प्रजनन की जांच हेतु विशेष जांच अभियान चलाने जा रही है।

महापौर राजा इकबाल सिंह ने एक बयान में कहा कि दिल्ली नगर निगम मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के जनस्वास्थ्य विभाग ने आईटीओ के निकट 266 सरकारी दफ्तरों में मच्छरों के प्रजनन की जांच हेतु विशेष जांच अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 50 जगहों पर मच्छरों का प्रजनन पाया गया जिसे स्थल पर ही नष्ट किया गया। महापौर ने बताया कि नगर निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने विशेष जांच अभियान के दौरान 5139 पानी के पात्रों की जांच की जिसमें से 110 पात्रों में एडीज मच्छर पाया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम ने परिसरों में मच्छरों का प्रजनन पाए जाने पर 34 अभियोजन दायर किए एवं 44 नोटिस भी जारी किए।

सिंह ने बताया कि नगर निगम ने आईटीओ के निकट स्थित दफ्तरों में मच्छरों के प्रजनन की जांच हेतु चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत ई.एस.आई. भवन आई.टी.ओ., सी बी एस ई भवन डीडीयू मार्ग, संस्कृत भारती भवन डीडीयू मार्ग, सी आर बिल्डिंग आईटीओ, विकास भवन आईटीओ, आई.टी.पी.ओ. इत्यादि सरकारी परिसरों के विरुद्ध अभियोजन दायर किए। उन्होंने कहा कि साथ ही हिन्दी भवन डीडीयू मार्ग, लोक कल्याण समिति, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट राउस एवेन्यू, प्रसार भारती, पी डब्ल्यू डी भवन आईटीओ, एजीसीआर आईटीओ, दयाल सिंह पुस्तकालय आदि परिसरों के विरुद्ध मच्छरों का प्रजनन पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए।

सरकारी अस्पतालों में जल्द बढ़ेंगे 1300 बेड

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए बेड की कमी जल्द ही दूर होगी। दिल्ली सरकार दो माह में चार प्रमुख अस्पतालों में नए ब्लॉक का निर्माण कार्य पूरा करवाएगी जिससे करीब 1, 300 नए बेड उपलब्ध होंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की समीक्षा बैठक में इसकी जानकारी दी गई। आप सरकार ने वर्ष 2019-2020 में आचार्य भिक्षु अस्पताल (मोती नगर), दादा देव अस्पताल (डाबड़ी मोड़), गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल (मंगोलपुरी) में नए ब्लॉक बनाने की योजना शुरू की थी लेकिन वित्तीय संकट के कारण परियोजनाएं अधूरी रह गईं थीं। बताया जा रहा है कि यह चारों परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं। फायर सेफ्टी से संबंधित औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

क्राइम ब्रांच ने वांछित कुख्यात बदमाश राहुल सिंह राजपूत को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। बिहार के औरंगाबाद जिले में मुखिया पद को लेकर झगड़े में पूर्व मुखिया संजय सिंह की गोली मारकर हत्या करने के मामले में वांछित कुख्यात बदमाश राहुल सिंह राजपूत को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। मुखिया हत्याकांड में राहुल सिंह राजपूत के खिलाफ औरंगाबाद की अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था। इस पर यूपी के जौनपुर, वाराणसी, भदोही, देवरिया, चंदौली, गाजीपुर जिले के विभिन्न थानों में 31 आपराधिक मामले दर्ज हैं। ये मामले हत्या, जबरन वसूली, हत्या के प्रयास, लूटपाट, एनडीपीएस अधिनियम, यूपी गैंगस्टर अधिनियम, शस्त्र अधिनियम आदि के हैं। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक सहायक आयुक्त पुलिस नरेंद्र बेनीवाल व इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में पुलिस टीम औरंगाबाद के माली थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के मामले में वांछित राहुल सिंह को गिरफ्तार किया। 30 नवंबर 2024 को मुखिया पद को लेकर झगड़े में दो समूहों के बीच पुरानी दुश्मनी के चलते एक समूह ने क्षेत्र में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए संजय सिंह नामक पूर्व मुखिया की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या करने और साजिश रचने में शामिल सात आरोपितों को स्थानीय पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। लेकिन मुख्य शूटर राहुल सिंह राजपूत कानून की गिरफ्त से बाहर था। वहीं, 22 जुलाई को औरंगाबाद के माली थाने की पुलिस ने क्राइम ब्रांच से राहुल के पकड़ने के लिए सहायता मांगी।

अपराधी के प्रोफाइल को देखते हुए क्राइम ब्रांच के कर्मियों ने पहले वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। उनके निर्देश पर क्राइम ब्रांच की टीम ने केशव पुरम के पास से राहुल सिंह राजपूत को पकड़ लिया। वह ग्राम चौड़, जौनपुर, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है।

पुरानी दिल्ली के बाजारों के पुनर्विकास का खाका किया जा रहा तैयार

नई दिल्ली। प्रदेश सरकार पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक बाजारों को नया जीवन देने की कवायद कर रही है। इनके पुनर्विकास के लिए एक व्यापक खाका (ब्लू प्रिंट) तैयार किया जा रहा है जिससे कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और व्यापारियों का बोझ कम होगा। इस योजना के तहत दुकानें और छोटे गोदाम यहीं रहेंगे जबकि बड़े वेयरहाउस दिल्ली के बाहरी इलाकों में बनाए जाएंगे। बाजारों को अन्यत्र शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है। बुधवार को दिल्ली सचिवालय में भारतीय उद्योग मंडल के प्रतिनिधियों से मुलाकात में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के व्यापारी अब अकेले नहीं हैं। सरकार ने पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक बाजारों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ नया जीवन देने और व्यापारियों की समस्याओं को हल करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। ब्लू प्रिंट के मुताबिक सरकार बड़े वेयरहाउस दिल्ली के बाहरी इलाकों में बनाएगी। इससे बाजारों में भीड़भाड़ और भंडारण की समस्या कम होगी। बाजारों को अन्यत्र शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है। इससे व्यापारियों का भरोसा बना रहेगा। इस पहल से न केवल कारोबार को गति मिलेगी बल्कि दिल्ली का राजस्व भी बढ़ेगा जो शहर के विकास में योगदान देगा। व्यापारियों के लिए एक वरदान बनेगा बोर्डः मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों ने दिल्ली के कारोबारियों का शोषण किया।

जुए की लत में बीएसएफ कांस्टेबल करने लगा लूटपाट, गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने बुधवार को फर्श बाजार इलाके में दिनदहाड़े लूटपाट में बीएसएफ के कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। इसने जुए की लत के चलते छुट्टियों में मध्य प्रदेश स्थित अपने घर जाते हुए दिल्ली में रुककर गहने की एक दुकान में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद अपने मूल निवास चला गया। पुलिस ने इसे मध्य प्रदेश के शिवपुरी स्थित मूल निवास से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 22 वर्षीय गौरव यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से लूटे गए सोने के दो ब्रेसलेट बरामद कर लिए हैं। साथ ही अन्य गहनों को बेचकर आरोपी ने जिस बैंक खाते में दो लाख रुपये जमा किए थे, उसकी भी पहचान कर ली गई है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि वह बीएसएफ में कांस्टेबल है और उसकी तैनाती फजिलका, पंजाब में है। उसे बीएसएफ में साल 2023 में प्रवेश लिया था और मई 2025 में उसने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया। लेकिन फिर वह ऑनलाइन गैंबलिंग ऐप की लत में पड़ गया और काफी रकम गंवा दी। इसी दौरान उसे 18 जून से छुट्टियां मिली तो वह दिल्ली से होकर अपने गांव जाने वाला था। दिल्ली में उसे ट्रेन बदलनी थी लेकिन उसने जुए के लिए रुपये की व्यवस्था करने के लिए गांव जाने से पहले लूटपाट को अंजाम दे डाला। लूट के लिए उसने एक टॉयगन खरीदी और गहने की दुकान पर जाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। दिल्ली से उसने मेरठ के लिए ट्रेन ली और फिर मेरठ से लखनऊ होते हुए मध्य प्रदेश स्थित शिवपुरी पहुंचा। उसने सोने के दो ब्रेसलेट वहां बेच दिए और इससे मिले दो लाख रुपये उसने बैंक में जमा कर दिए। पुलिस के मुताबिक, 19 जुलाई को फर्श बाजार थाने में गुरचरण ज्वेलर के यहां लूटपाट की शिकायत मिली।

दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह से इजराइली राजदूत रुवेन अजार ने की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह से बुधवार को भारत में इजराइल के राजदूत रुवेन अजार ने मुलाकात की। उन्होंने नागरिक विकास एवं नवाचार पर सहयोग को लेकर भी चर्चा की। बैठक के दौरान महापौर राजा इकबाल सिंह ने राजदूत को दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्लीवासियों को दी जा रही विभिन्न नागरिक सुविधाओं के बारे में अवगत कराया और बताया कि दिल्ली को स्वच्छ सुंदर व प्रदुषण मुक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही है। महापौर ने बताया कि एमसीडी ठोस कचरा प्रबंधन, प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, पार्कों का रखरखाव, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, टोल और संपत्ति कर संग्रहण, पार्किंग व स्थल प्रबंधन और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि निगम स्मार्ट, कुशल और जन-हितैषी प्रसाशन को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक और नवाचार अपना रहा है। सिंह ने बताया कि इजराइल जैसे तकनीकी रूप से उन्नत देश से सीख लेकर नगर निगम ठोस कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पार्कों का रखरखाव और अन्य नागरिक सेवाओं में सुधार लाने की दिशा में काम करेंगे। इस तरह का विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान हमारे निगम के कार्यों को और बेहतर बनाएगा। बैठक के दौरान महापौर ने राजदूत से इजराइल में चल रहे युद्ध की स्थिति और उसके आर्थिक प्रभाव के बारे में चर्चा की। उन्होंने इस अवसर पर एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा की भारत और इस्राइल के बीच मित्रता, सहयोग और सम्मान पर आधारित मजबूत संबंध हैं।

संपादकीय

राजस्व विभाग के दावे और किसान

एक शायर की निम्न पंक्तियां राजस्व विभाग की भ्रष्ट व्यवस्था की दुखद अभिव्यक्ति हैं, और लगता है कि उसने भी जरूर व्यक्तिगत तौर पर इसके दंश झेले होंगे। जिस जमीन को समझते हो तुम अपनी मलकीयत मियां, महकमा माल के हाकिमों और वकीलों का मुकद्दर है वो। हम मानते हैं कि जर, जोरू और जमीन ही हर विवाद की जड़ है। फिर भी हमें मानना पड़ेगा कि जिस भी व्यक्ति का निजी जमीन से थोड़ा सा भी संबंध है, वह राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली से भली प्रकार परिचित है। विभाग में अच्छे और ईमानदार लोगों की भी कमी नहीं है, लेकिन उनकी सुनता कौन है? मुट्ठी भर शातिर लॉबी सब पर भारी है। भू-माफिया, शातिर ग्रामीण और भ्रष्ट कर्मचारी लॉबी ने 90 फीसदी लोगों की नाक में दम कर रखा है। पुलिस और प्रशासन पर इनकी पूरी पकड़ है। ऊपर से राजनेताओं का इनके सिर पर वरदहस्त होता है। ये लोग कुछ भी करें, कोई इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। न्याय व्यवस्था की कछुआ चाल को देख कर उससे न्याय की अपेक्षा रखना बहुत बड़ी भूल है। दशकों से न्यायालयों में केस लंबित पड़े हैं। वकीलों के वारे-न्यारे हैं। भ्रष्टाचार और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना खतरे से खाली नहीं है। अन्याय का प्रतिकार कुबार्नी मांगता है जो सबके वश की बात नहीं है। फिर वह इश्तामाल हो, बंदोबस्त हो या वर्तमान मुहाल की व्यवस्था, सबने मिलकर असमर्थ लोगों का कचूमर निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीड़ित लोगों को आज तक न्याय नहीं मिला और न ही निकट भविष्य में मिलने की कोई उम्मीद है। पता नहीं हमें क्या हो गया है। लगभग सभी का फोकस धन-दौलत बटोरने पर है। और इसके लिए हम कुछ भी कर सकते हैं और यही हमारा दुर्भाग्य है। 1970 के दशक में हरसौर (बड़सर) के एक गांव में इश्तामाल की प्रक्रिया शुरू हुई। सुरा और सुंदरी के दौर में चाम के दाम चलने लगे। चार कोस तक तक मुर्गा प्रजाति लुप्त हो गई। यौन शोषण के विरुद्ध नारी शक्ति प्रचंड हो गई जिसने एक गरदावर को पीट-पीट कर मृत्यु दंड दे दिया। गनीमत यह रही कि घर जाकर जिंदगी और मौत से जूझते हुए कई दिनों बाद उसकी मृत्यु हुई। वास्तव में यह जन-साधारण के विद्रोह की परिणति थी। कालांतर में एक पंजाबी गरदावर की प्रतिनियुक्ति हुई। रंजिश और खुंदस के चलते वह दिवंगत गरदावर से भी आगे निकल गया क्योंकि शातिर लॉबी उसके समर्थन में खड़ी थी जिसने इस परिस्थिति का भरपूर लाभ उठाया। परिणति यह रही कि सीमा पर बुर्जियां संदिग्ध, रास्ते बस्तियों तक नहीं पहुंचे। वर्तमान सडक किसी की मलकीयत है और जो कागजों में सडक है, वहां किसी ने फसल बीजी है और किसी ने निर्माण कर दिया है। लगता है कई पीढियां कोर्ट में ही अपनी जिंदगी गुजार देंगी। जहां तक बंदोबस्त का सवाल है, रही सही कसर उसने निकाल दी है। करमों से मीटर बनाते समय पांच से दस मीटर की कमीबेशी साधारण सी बात है। किसी के रकबे की चौड़ाई 11 करम से 16 मीटर की बजाय 20 मीटर कर दी गई और रकबा बढ़ जाने के डर से लंबाई की भुजाओं से 5 से 10 मीटर कम कर दिए गए। ऐसा एक नहीं, अनेक खसरा नंबरों में हुआ है। बाजार में तीन करम की चौड़ाई में बनी दुकानों को केवल चार मीटर दिए गए। पड़ोसी ने इसका लाभ उठा कर निशानदेही लेकर 22 मीटर लंबी जमीन पर कब्जा करके तीन मंजिलें खड़ी कर दी। स्थानीय पंचायत ने कहा- निशानदेही लेकर निर्माण हुआ है, इसमें अतिक्रमण का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। बाजारों और बस्तियों में करमों के हिसाब से बने भवनों को पूर्व स्थिति के आधार पर मीटर दशमलव में लिखे जाने चाहिए, यह बहुत ही संवेदनशील मसला है। हैरत की बात है कि एक अदद दुरुस्ती के लिए वर्षों का समय और हजारों रुपए वकीलों की फीस लगती है। जिस बेचारे किसान की पंद्रह-बीस दुरुस्तियां बकाया हैं, उनकी दुरुस्ती के लिए उसकी उम्र भी कम पड़ जाएगी। गलती एक पटवारी की और उसकी सजा व्यस्तताओं से घिरे किसान को ताउम्र भुगतनी पड़ती है। वाह री व्यवस्था। किसान की ऐसी दुर्दशा कभी नहीं हुई होगी। दुरुस्ती की प्रक्रिया इतनी सरल होनी चाहिए कि किसान को पता ही न चले और दुरुस्ती हो जाए। सरकारें राजस्व प्रणाली में बड़े सुधारों का ढिंढोरा पीटती हैं। लेकिन धरातल पर व्यवस्था टस से मस नहीं होती। इतने में सरकारें ही बदल जाती हैं। दशकों से तकसीम के मामले लंबित पड़े हैं। अपीलों के निपटारे में वर्षों लग जाते हैं। तहसील से लेकर एसडीएम, डिप्टी कमिश्नर, बंदोबस्त अधिकारी, डिवीजनल कमिश्नर, एफसी, इसके अतिरिक्त ज्यूडीशियरी के भी हाई कोर्ट तक कई पड़ाव हैं।

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

-डॉ. आशीष वशिष्ठ-

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है।

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है। गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है।

ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है। संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है।

तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फादा भाजपा को होगा।

पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पष्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है।

बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गमार्या हुआ है। ममता बनर्जी ने फेक वोटर की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है।

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नजर 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं।

एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संविधान के अनुरूप नहीं है मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

-कुमार कृष्णन-

बिहार में हो रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की पोल खुल चुकी है। इसके नाम पर लोग बेदखल किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के सुझाव के बावजूद चुनाव आयोग के कान पर जू तक नहीं रेंग रही है। संभवतः कान, आंख, नाक किसी सत्ता प्रतिष्ठान के पास गिरवी है। आज हमने इस संदर्भ में अपनी बात रखने की कोशिश की। लोकतंत्र में मतदाता अगर बेदखल होता है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अब यह मांग उठ रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संशोधित नहीं, रद्द किया जाए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के सवाल पर आयोजित जन सुनवाई में यह मांग रखी गयी। जन सुनवाई का आयोजन भारत जोड़ो अभियान, जन जागरण शक्ति संगठन, जन आंदोलनों का राष्ट्रीय गठजोड़, समर चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वराज अभियान और कोसी नवनिर्माण मंच ने किया था।

इसमें यह बात कही गयी कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना में दिए गए राजनीतिक न्याय और समानता के वादे के खिलाफ है। अनुचित दबाव में सिर्फ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग की अपनी ही प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता अधिक बिगड़ेगी और चुनाव आयोग के उद्देश्य को नुकसान पहुँचेगा। पटना के बीआईए हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर आयोजित जन सुनवाई में बिहार के 14 ज़िलों से लोगों आए हुए थे।

कटिहार से आईं फूल कुमारी देवी ने बताया, मैं मजदूर हूं। बीएलओ ने मुझसे आधार और वोटर कार्ड की फोटोकॉपी मांगी। मैंने 4 किलोमीटर चलकर पासपोर्ट फोटो खिंचवाई। मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मैंने अपने राशन का चावल बेच दिया। दस्तावेज जुटाने में मेरे दो दिन की मजदूरी चली गई। मेरे पास चावल नहीं था, दो दिन भूखी रही।

राज्य भर से आए प्रतिभागियों ने बताया कि गणना फॉर्म बीएलओ के बजाय कई बार वार्ड पार्षद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या सफाईकर्मी द्वारा बांटे गए। कई मतदाताओं को फॉर्म भरने का तरीका ही नहीं बताया गया। कई परिवारों में कुछ लोगों को फॉर्म मिला, कुछ को नहीं। पटना शहर में बिना फोटो वाला अनधिकृत फॉर्म बांटा गया। कई विवाहित महिलाओं को अपने मायके से दस्तावेज लाने में कठिनाई हुई। बीएलओ ने जिन दस्तावेजों को लिया (जैसे आधार और वोटर कार्ड), वे चुनाव आयोग की अधिकृत सूची में नहीं हैं। जन सुनवाई में आये सिर्फ 5 से कम लोगों को अपने फॉर्म पर रिसीविंग मिली। वे सभी जागरूक थे और दबाव डालने के बाद ही रिसीविंग मिली। कई मामलों में लोगों को पता ही नहीं था कि उनका फॉर्म बीएलओ ने पहले ही जमा कर दिया, बिना उनके हस्ताक्षर लिए। एक मामले में, जिसने इस पर सोशल मीडिया पर बात की, उसके करीबी लोगों को धमकियाँ मिलीं। गैर-पढ़े-लिखे मतदाताओं को फॉर्म भरवाने के लिए लगभग ?100 देने पड़े। कई बीएलओ बैंक पासबुक की कॉपी भी ली, जबकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में इसकी जरूरत नहीं बताई गई थी। कोई मानक प्रक्रिया नहीं थीः एक ही परिवार में पति की फोटो ली गई, पत्नी की नहीं। यह खेती का समय है। बिहार के सबसे गरीब लोग इस समय पंजाब में खेतों में काम कर रहे हैं। वे अधिकतर अनपढ़ हैं और उनके पास फॉर्म ऑनलाइन भरने की सुविधा नहीं है। कोसी नदी के बाढ़ प्रभावित गांवों में दस्तावेज बार-बार बाढ़ में बह जाते हैं, खासकर गरीब और दलित वर्ग के लोग इसका शिकार हैं। बीएलओ पर भारी दबाव है–जो नियमों का पालन कर रहे हैं उन्हें धीमा कहकर डांटा जा रहा है और वेतन रोकने की धमकी दी जा रही है। बीएलओ और आंगनवाड़ी सेविकाओं की इस प्रक्रिया में अत्यधिक व्यस्तता से शिक्षा और पोषण की जनकल्याणकारी योजनाओं को नुकसान हो रहा है।

जन सुनवाई की पैनल में वजाहत हबीबुल्ला (पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त), न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय), प्रोफेसर दिवाकर (पूर्व निदेशक, ए. एन. सिन्हा संस्थान), जाँ द्रेज (अर्थशास्त्री), श्री भंवर मेघवंशी (सामाजिक कार्यकर्ता) और प्रोफेसर नंदिनी सुंदर (समाजशास्त्री) शामिल थे।

न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने बताया, प्रशासन का दुरुपयोग हो रहा है, यह लोगों की मदद नहीं बल्कि उन्हें परेशान कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया न संविधान के अनुसार है, न आरटीआई कानून के अनुरूप है। सामाजिक कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना, जिसमें राजनीतिक न्याय और समानता का वादा है, के खिलाफ है।

अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संशोधित नहीं बल्कि रद्द किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की अपनी प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता गिरेगी और उद्देश्य विफल होगा। समाजशास्त्री प्रो. नंदिनी सुंदर ने बताया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होने उम्मीद जतायी कि हमारी आवाज सुनी जाएगी और हम आगे लड़ाई जारी रखेंगे। एएन सिन्हा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिवाकर ने बताया कि आज हमारा लोकतंत्र न जनता का है, न जनता के लिए है, न जनता द्वारा है। हमें इसे वापस लाने के लिए संघर्ष करना होगा। जन सुनवाई में शाहिद कमाल, ऋषि आनंद, कामायनी स्वामी, महेंद्र यादव, जहीब, उमेश शर्मा आशीष रंजन, तन्मय ने भी हिस्सा लिया।

गया के परमेश्वर यादव, सहरसा के गोविंद पासवान, सहरसा की सुमित्रा देवी, पटना की राखी देवी, कहिटार के इशाक, अररिया की मुन्नी देवी समेत 25 लोगों ने अपनी बातें रखीं। मौके पर भारत जोड़ो अभियान के संयोजक योगेंद्र यादव, महासचिव अजीत झा ने भी अपनी बातें रखीं। जनसुनवाई में आयीं प्रमुख समस्याएं -जिन 11 दस्तावेजों को आयोग ने देने को कहा है, वह अधिकतर लोगों के पास है ही नहीं -आधार कार्ड लेकर फॉर्म जमा कराया जा रहा है, जबकि आयोग ने इसे मान्य नहीं बताया है -लोग वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर रहे हैं तो बताया जा रहा है कि फॉर्म पहले से जमा है -खेती के समय श्रमिक मजदूरी को छोड़ कागज बनाने में लगे हुए हैं, घूस भी देनी पड़ रही है -नेपाली की लड़की बिहार में ब्याही गयी, 20 वर्षों से वोटर हैं, अब माता-पिता की मतदाता सूची मांगी जा रही -किसी भी आवेदक को पावति नहीं दी जा रही है, बाद में आवेदन का सबूत मांगेगा को लोगों के पास नहीं होगा।

वहीं मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज हंगामादार रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा को लेकर पूरा विपक्ष अड़ा रहा। मतदाता पुनरीक्षण में लोगों का नाम मतदाता सूची से काटने का आरोप लगाया। बैनर-पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि विधानसभा में वोटर लिस्ट के मुद्दे पर हर हाल में चर्चा कराई जाए, नहीं तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आज से सत्र शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि महागठबंधन के प्रतिनिधियों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर स्पष्ट रूप से कहा है कि वोटर लिस्ट से नाम कटने की साजिश पर चर्चा कराना जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विधानसभा में इस विषय को नजरअंदाज किया गया तो इसका राजनीतिक और लोकतांत्रिक जवाब दिया जाएगा। पुर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण देश का मुद्दा है। बिहार केवल झांकी है, असम और बंगाल बाकी है। वहीं बिहार में आज विधानसभा के सत्र के दौरान विपक्ष के वाक ऑउट करने पर पप्पू यादव ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि हमें आश्चर्य हो रहा है कि विपक्ष ने बिहार में वॉकआउट किया है। आप क्यों वॉकआउट कर रहे हैं? सीना तान कर खड़े रहिए ।

बिहार में जहां लगभग 65.58 प्रतिशत लोग बेघर हैं वहां चुनाव आयोग नागरिकों से भूमि आवंटन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की उम्मीद करता है। जहां निरक्षरता व्याप्त है वहां वे स्कूल प्रमाणपत्र की मांग करते हैं। जहां गरीबी पलायन को मजबूर करती है उन लोगों से आयोग को स्थायी निवास प्रमाण की आवश्यकता होती है। और संभावित रूप से लाखों मतदाताओं के लिए इन अस्पष्ट दस्तावेजों को इका करने के लिए दी गई समय सीमा एक महीने से भी कम है। यहां तक कि अगर किसी चमत्कार से नागरिक नौकरशाही में खजाने की खोज का प्रबंधन करते हैं तो क्या चुनाव आयोग के पास उन सभी को सत्यापित करने के लिए जनशक्ति है? चुनाव आयोग ने जवाब में कहा है कि उसने इस विशाल अभ्यास के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1 लाख से अधिक ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, 4 लाख स्वयंसेवकों और 1.5 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंटों को लगाया है और 80 फीसदी मतदाता पंजीकरण फॉर्म पहले ही एकत्र किए जा चुके हैं।

बहादुर SDM साहब पर साढ़ेसाती का प्रभाव

संजय सोंधी, संयुक्त सचिव
भूमि एवं भवन विभाग, दिल्ली सरकार

टाउनहॉल टाइम्स न्यूज नेटवर्क। करावल नगर के तत्कालीन SDM संजय सोंधी, जिनके लिए पर्यावरण बचाना सिर्फ. नौकरी नहीं, बल्कि जुनून था, वो ऐसे अफसर थे जो अवैध फैक्ट्रियों को देखते ही भड़क जाते थे। चाहे अवैध ग्राउंड वॉटर चोरी हो, ई-वेस्ट का गोदाम हो, या जींस की रंगाई फैक्ट्री का जहरीला पानी, साहब का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ जाता। ये नहीं चलेगा! कहकर वो अपनी टीम–जितेंद्र सिंह, गिरीश मनराल, और कपिल–के साथ निकल पड़ते। 15 अप्रैल 2023, शनिवार का वो दिन, जब साहब को एक मोहल्ले से शिकायत मिली कि एक अवैध रंगाई फैक्ट्री भूजल को जहर बना रही है। साहब ने तो पहले ही अखबारों में ढिंढोरा पीटकर प्रोहिबिटरी ऑर्डर जारी कर रखा था, जिसमें ऐसी फैक्ट्रियों पर पाबंदी थी। लेकिन साहब की 'बहादुरी' का आलम ये था कि पुलिस को साथ ले जाना उन्हें स्वीकार्य नहीं था। बिना पुलिस के, अपनी तिकड़ी–जितेंद्र, गिरीश, और कपिल–के साथ साहब निकल पड़े। लेकिन वहां पहुंचते ही सीन बदल गया। फैक्ट्री मालिक और उनके रिश्तेदारों ने साहब और उनकी टीम पर ऐसा धावा बोला कि रउ्ट साहब और उनकी टीम को दिन में तारे नजर आने लगे। कपिल को गंभीर चोटें आईं, और सबसे चौंकाने वाली बात? हमलावरों में एक दिल्ली पुलिस का हेड कांस्टेबल भी था! साहब ने तुरंत सीनियर अधिकारियों को खबर की, कपिल को सिविल अस्पताल पहुंचाया, और देर रात करावल नगर थाने में FIR दर्ज कराई। पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा, जिसमें वो हेड कांस्टेबल भी शामिल था। दोनों बड़े ठाठ से सोच रहे थे कि रविवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट से जमानत ले लेंगे। लेकिन मजिस्ट्रेट ने उनकी हेकड़ी निकाल दी–जमानत खारिज! सोमवार को फिर कोशिश की, फिर खारिज। दस दिन बाद सेशन कोर्ट में भी मुंह की खाई। कपिल की गंभीर चोट के चलते FIR में IPC की सख्त धारा जोड़ी गई, और आखिरकार, मंडोली जेल में डेढ़ महीने VIP ट्रीटमेंट के बाद, सेशन कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी।

इस पूरे ड्रामे में साहब के दिमाग में दो बातें गूंज रही थीं। पहली, कि जब मर्द गलती करते हैं, तो सारा बोझ औरतों पर आता है। उस हेड कांस्टेबल की पत्नी, जो खुद सब-इंस्पेक्टर थी, प्रत्येक जमानत आवेदन खारिज होने के बाद जज के सामने ही अदालत कक्ष में रोना शुरू कर देती थी। साहब को लगा, ये तो Global अवधारणा है! हिलेरी क्लिंटन से लेकर दिल्ली की इस पुलिस मैडम तक, पति की गलतियों का खमियाजा भुगतना पड़ता है। दूसरी अजीब बात? साहब के ड्राइवर विक्की को हमले में एक खरोंच तक नहीं आई।

अब दोनों आरोपी जमानत पर बाहर हैं, लेकिन पुलिस ने अभी तक चार्जशीट दाखिल नहीं की। कुछ दलाल नुमा व्यक्ति साहब के पास गुप्त मैसेज लेकर आ रहे हैं–माफी मांगने की और समझौता करने की। कहते हैं, बेचारे आरोपी परेशान हैं। उन्हें परिवार को देखना है। और हां, सारी घटना CCTV में कैद है, तो इनके बचने की गुंजाइश कम है। लेकिन साहब तो बहादुर हैं, वो कहां झुकने वाले? कोई समझौता नहीं!–साहब का फैसला है।

पर साहब ने कुछ सबक भी सीखे। पहला, ऐसी 'एडवेंचर' यात्राओं पर पुलिस को साथ ले जाना जरूरी है। दूसरा, ये घटना इसलिए हुई क्योंकि साहब पर अप्रैल 2022 से भगवान शनि की साढ़ेसाती दशा चल रही है।। और तीसरा, मर्दों को ऐसी हरकतें नहीं करनी चाहिए, जिनका बुरा प्रभाव उनकी औरतों और बच्चों को उठाना पड़े। आखिर, बीवियां तो पहले ही घर-परिवार संभाल रही हैं, ऊपर से कोर्ट-कचहरी का चक्कर? तो दोस्तों, ये थी संजय सोंधी की दिल्ली के पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए किए गए दुस्साहसिक अभियान की सच्ची कहानी।अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में क्या होता है।

इस अखबार में प्रकाशित किसी भी समाचार रिपोर्ट या लेख से यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह अपनी आपत्ति हमें info.townhalltimes@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से या 9910635094 पर संपर्क करके भेज सकता है। इस समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विधिक विवाद केवल दिल्ली की न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में ही सुलझाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबर

सड़क हादसे में घायल हेल्पर की मौत

मुरादनगर। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दुहाई कट के पास चार दिन पहले सड़क हादसे में घायल हुए हेल्पर की मंगलवार को मौत हो गई। आठ जुलाई को दुहाई कट के पास ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े कैंटर से टकरा गया था। हादसे में ट्रक में सवार हेल्पर 45 वर्षीय हनीफ निवासी गांव बरारी थाना रिफाइनरी जिला मथुरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। मुरादनगर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हनीफ की मौत हो गई।

पहल पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित होंगे

गाजियाबाद। जीडीए ने अवंटियों की सुविधा के लिए पहल पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल पर उत्कर्ष कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा।
इसके तहत एक लिपिक को सम्मान मिला। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देश पर समस्याओं के निस्तारण के लिए पोर्टल शुरू किया गया। इस पोर्टल को अधिक बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि प्राधिकरण के आवंटी अधिक से अधिक संख्या में घर बैठे जीडीए से संबंधित योजनाओं का लाभ उठा सकें। पहल पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य के लिए कमर्शियल सेक्शन के लिपिक राधे श्याम को प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देते हुए सम्मानित किया गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कदम से साथी अन्य कर्मचारी भी पहल पोर्टल उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित होंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने हाल ही में समीक्षा बैठक की थी। इस दौरान बिल्डिंग सेक्शन को दिए गए लक्ष्य को करीब से जानने का प्रयास किया गया और धीमी गतिविधियों को लेकर नाराजगी जताई थी। कुछ लिपिकों के पटल परिवर्तन और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देने के निर्देश दिए थे।

शिविर में भक्तों का हौसला बढ़ाया

मोदीनगर। कस्बा निवाड़ी स्थित शिव मंदिर में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रालोद द्वारा कांवड़ लेकर आए भक्तों का हौसला बढ़ाते हुए सम्मानित किया गया। पार्टी के नगर अध्यक्ष नरेंद्र त्यागी ने बताया कि सम्मान समारोह में 71 लीटर गंगाजल लेकर आने वाले उदित त्यागी, विशल उपाध्याय, शुभ त्यागी, वंश उपाध्याय का सम्मान हुआ। मौके पर राजप्रकाश, विनोद, दीपक कुमार और सचिन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

80 कांवड़ियों को सम्मानित किया

गाजियाबाद। सिहानी चुंगी के पास लगे शिविर में वैश्य एकता समिति ने करीब 80 कांवड़ियों को सम्मानित किया। समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गुप्ता ने बताया कि पिछले छह साल से समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष कांवड़ियों को सम्मानित किया जाता है, जिसमें गाजियाबाद समेत आसापास क्षेत्र के कांवड़िये शामिल हैं। इस वर्ष भी कांवड़ियों की सेवा में शिविर लगाया गया, जहां तीन दिन तक कांवड़ियों की सेवा की गई। इस दौरान अजय गोयल, अनुराग अग्रवाल, अशोक मित्तल आदि मौजूद रहे।

पिस्टल और नशीले इंजेक्शन के साथ तस्कर गिरफ्तार

पलवल। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सेल ने तस्कर नवीन को पिस्टल और 60 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी नवीन हरीनगर, पलवल का रहने वाला है और एक स्कूल के पास इंजेक्शन बेचते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से 32 बोर की पिस्टल, जिंदा कारतूस और नशीले इंजेक्शन जब्त कर लिए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी लाभ लेने वाले फर्जी किसानों की तलाश तेज की

फरीदाबाद। सेंट्रल थाना की पुलिस ने सरकारी लाभ पाने वाले फर्जी किसानों की तलाश तेज कर दी है। साथ ही मामले में संबंधित बीमा कंपनी और कृषि विभाग से भी जानकारी जुटाई जाएगी। गौरतलब है कि सोमवार रात सेंट्रल थाना की पुलिस ने सीएम फ्लाइंग में तैनात इंस्पेक्टर भगत सिंह की शिकायत पर नूंह और पलवल के 22 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों ने गांव नरहावली, मलेरना और मोठूका के किसानों की जमीन को अपना बताकर फसल बीमा योजना के तहत सरकार से करीब 36 लाख रुपये ऐंठ लिए।

आरोपियों ने यह धोखाधड़ी फसलीय वर्ष 2024-25 में की। उन्होंने खरीफ फसल (धान) के ऐवज में मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण कराकर नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल (एनसीईपी) से फसल बीमा का लाभ ले लिया। इसके लिए नूंह के तहसील कार्यालय स्थित नोटरी से सत्यापन कराया गया था।

इसके बाद फर्जी किसान प्रमाण पत्र बनाकर मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल अपलोड किया था। इसके बाद बीमा कंपनी से 36 लाख रुपये ऐंठ लिए। सेंट्रल थाना के एसएचओ सुनील कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस बाबत संबंधित बीमा कंपनी और कृषि विभाग से भी जानकारी जुटाई जाएगी। सभी आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे।

गाजियाबाद में अवैध दूतावास का एसटीएफ ने किया भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

घर से 44.70 लाख रुपये, विदेशी मुद्राएं व चार डिप्लोमेटिक नम्बर प्लेट लगीं गाड़ियां बरामद

गिरफ्तार हर्षवर्धन खुद को वेस्ट आर्कटिका, सोबोरगा, पॉल आदि देशों का बताता था एम्बेसडर

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी और तमाम अवैध धंधों का हब बनता जा रहा है। पुलिए ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा इकाई ने मंगलवार की रात में दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक पॉश कालोनी कविनगर में चल रहे एक अवैध दूतावास का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने इस अवैध दूतावास के संचालक को गिरफ्तार कर वहां से 44 लाख 70 हजार रुपये सहित कई डिप्लोमेटिक गाड़ियों की नंबर प्लेट और गाड़िया बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपित खुद को कई देशों का एम्बेस्डर बताता था। एसटीएफ आरोपित से पूछताछ कर रही है।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम जिले के कवि नगर थाने में सूचना देने के बाद मंगलवार रात करीब 10 बजे कविनगर में स्थित एक कोठी नंबर केबी 45 पर बने कथित दूतावास पर पहुंची। एसटीएफ के साथ कवि नगर थाने का एक सब इंस्पेक्टर और एक सिपाही भी मौके पर पहुंचे। यहां एसटीएफ ने हर्षवर्धन जैन नामक युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो सारा मामला खुलकर सामने आ गया। इसके बाद एसटीएफ ने अवैध दूतावास संचालक हर्षवर्धन जैन को गिरफ्तार कर लिया है।

एसटीएफ ने उसके मकान से 44 लाख 70 हजार रुपये नकद, कई देशों की विदेशी मुद्रा, 20 डिप्लोमेटिक गाड़ियों की नंबर प्लेट, चार डिप्लोमेटिक नम्बर प्लेट लगी गाड़ियां, माइक्रोनेशन देशों के 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे कूटरचित दस्तावेज, कूटरचित दो पैनकार्ड, विभिन्न देशों और कई कंपनियों की 34 मोहरें, 2 कूटरचित प्रेस कार्ड, कई देशों की विदेशी मुद्रा सहित अन्य सामान बरामद किया। छापे के दौरान उसके मकान में उसके ससुर आनंद जैन, भाटिया मोड़ निवासी ईश्वर सिंह और घरेलू सहायक हेमंत कुमार राजवंशी भी मिले। ईश्वर और हेमंत को एसटीएफ ने गवाह बनाया।

इस संबंध में उत्तर प्रदेश के एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि गिरफ्तार हर्षवर्धन जैन कवि नगर में एक किराए की कोठी में अवैध रूप से वेस्ट आर्कटिक का दूतावास चला रहा था। वह अपने आप को कई देशों एम्बेसडर बताता था। वह लोगों को प्रभाव में लेने के लिए प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्यों के साथ एडिट कर अपनी फोटो का भी प्रयोग करता था। एडीजी ने बताया कि इस संबंध में थाना कविनगर गाजियाबाद में अभियोग पंजीकृत कराकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार हर्षवर्धन पुत्र जेडी जैन कविनगर इलाके में एक किराए के मकान में अवैध रूप से वेस्ट आर्कटिक दूतावास चला रहा था। इसके अलावा वह अपने आप को वेस्ट आर्कटिका, सोबोरगा व पॉल आदि देशों का कॉन्सुल/ एम्बेसडर बताता था। वह एयर और कई डिप्लोमेटिक नम्बर प्लेट लगी गाड़ियों से चलता था। एसटीएफ के मुताबिक लोगों को प्रभाव में लेने के लिए वह प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्य लोगों के साथ अपनी मॉर्फ. की हुई फोटो को उसने अपने कार्यालय में लगा रखे थे। उसने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अन्य देश के जाने माने लोगों के फोटो एडिट कर अपने पोस्ट किए थे। हर्षवर्धन का मुख्य काम कंपनियों और प्राइवेट व्यक्तियों को बाहर के देशों में काम दिलाने के नाम पर दलाली करना तथा शेल कंपनियों के माध्यम से हवाला रैकेट भी चलाता था। पुलिस के अनुसार एसटीएफ की पूछताछ में हर्षवर्धन के पूर्व में चंद्रास्वामी और अदनान खगोशी (इंटरनेशनल आर्म्स डीलर) से भी संपर्क में होने का भी पता चला है। एसटीएफ ने अवैध दूतावास पर कार्रवाई करने से पहले इस संबंध में केंद्रीय एजेंसियों से इसकी पुष्टि की। एजेंसी से पता चला कि बिना विदेश मंत्रालय की अनुमति के दूतावास नही चलाया जा सकता। यह भारत की संप्रभुता के विरुद्ध है।

पलवल में पहली तेज बारिश ने खोली नगर परिषद की पोल

पलवल। मानसून की पहली तेज बारिश ने शहर की पूरी व्यवस्था की पोल खोल दी। बुधवार को करीब दो घंटे तक लगातार हुई बारिश और फिर दिनभर रुक-रुक कर होती बूंदाबांदी ने शहर को पूरी तरह जलमग्न कर दिया। शहर की अधिकांश सड़कें जलभराव के कारण तालाब बन गईं। निचले इलाके ही नहीं, पॉश कॉलोनियां भी पानी में डूब गईं।

जलनिकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होने से लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। जगह-जगह शॉर्ट सर्किट से बिजली आपूर्ति भी बाधित रही, जिससे शहर दिन भर अंधेरे में डूबा रहा। तेज बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग, पुराना जीटी रोड, माल गोदाम रोड, रेलवे रोड, बस स्टैंड और सब्जी मंडी रोड पर जलभराव हो गया।

सड़कें घुटनों तक पानी में डूबी रहीं। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कमेटी चौक, अलीगढ़ पुल, सोहना रोड और हुडा चौक के आसपास बसी कॉलोनियों में भी यही हाल रहा। बारिश के बीच घर से निकले लोग रास्ते में ही फंस गए, क्योंकि सड़कों पर गंदा पानी बह रहा था और वाहन उसमें बंद पड़ते नजर आए। कई जगह दोपहिया वाहन पानी में डूब गए, तो कई चार पहिया वाहन चालकों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

रेलवे रोड, जो पहले से ही जलभराव की समस्या से जूझ रहा है, वहां स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई। एक घंटे के भीतर पूरा शहर मानो तालाब में बदल गया। नगर परिषद की ओर से जलनिकासी को लेकर कोई भी तैयारी नजर नहीं आई। बारिश रुकने के बाद भी कई घंटे तक सड़कों पर पानी जमा रहा, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर की मानी-जानी कॉलोनियां जैसे न्यू कॉलोनी और जवाहर नगर कैंप भी पानी में डूब गईं। यहां तक कि न्यू कॉलोनी में स्थित पावर हाउस भी तालाब का रूप ले चुका था। इससे शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। बारिश के कारण शॉर्ट सर्किट की घटनाएं सामने आईं, जिससे बुधवार सुबह से दोपहर बाद तक बिजली आपूर्ति ठप रही। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कई इलाकों में पानी की अधिकता के कारण लाइन में फॉल्ट आ गया है, जिसे सुधारने का काम जारी है।

गाजियाबाद में मूसलाधार बारिश में भी गाजियाबाद नगर निगम की मुस्तैदी, जल निकासी के लिए तैनात रही टीम

गाजियाबाद। मूसलाधार बारिश के बीच गाजियाबाद नगर निगम ने शहरवासियों की सुविधा के लिए जल निकासी की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जल भराव वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पंप सेट लगाकर तेजी से निकासी की गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने खुद विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ट्रैफिक तथा जल निकासी को सुचारू बनाए रखने की मॉनिटरिंग की। नगर निगम की जलकल और स्वास्थ्य विभाग की टीमें बारिश के दौरान पूरी तरह सतर्क और तैनात रहीं। भारी बारिश के बावजूद जल निकासी का कार्य लगातार जारी रहा। जलकल विभाग के महाप्रबंधक कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि निगम की सीमा में चिन्हित 56 जल भराव हॉटस्पॉट पर 60 से 65 पंप सेट लगाए गए, जिनके माध्यम से तीव्र गति से जल निकासी कराई गई। लाल कुआं, एलिवेटेड रोड के नीचे, यूपी गेट, साइ उपवन अंडरपास और गौशाला अंडरपास जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से अतिरिक्त पंप सेट लगाए गए। पांचों जोनों में निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि जल भराव से यातायात बाधित न हो। नगर आयुक्त ने मेरठ रोड, मोहन नगर और भोपुरा तक का दौरा करते हुए कांवड़ यात्रा मार्ग और मंदिर परिसरों में जल भराव की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी।

श्रावण शिवरात्रि: किसी ने दंडवत तो किसी ने परिवार की समृद्धि के लिए किया जलाभिषेक

गाजियाबाद। श्रावण शिवरात्रि पर किसी कांवड़िए ने दंडवत तो किसी ने परिवार की खुशहाली के लिए भगवान दूधेश्वर नाथ पर जलाभिषेक किया। मंदिर सूत्रों की मानें तो करीब 10 लाख शिवभक्तों ने भोले शंकर पर आस्था का जल चढ़ाया। इसके अलावा कुछ श्रद्धालुओं ने अपने घर के आसपास के मंदिरों में जाकर जलाभिषेक किया। चतुर्दशी का जल बुधवार सुबह चार बजे से चढ़ना शुरू हुआ। इससे पहले कांवड़ियों ने मंगलवार रात 2.29 बजे तक हाजिरी का जल चढ़ा। शिवरात्रि का जल पूरे दिन और देर रात दो बजे तक चढ़ाया गया। प्रातः तीन बजे भगवान दूधेश्वर का भव्य श्रृंगार किया गया।

प्राचीन देवी मंदिर द्वारका पुरी दिल्ली गेट के महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने धूप व दीप आरती की। भगवान को 56 व्यंजनों का भोग लगाया गया। सुबह चार बजे से मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। जलाभिषेक के दौरान बड़ी संख्या में कांवड़ियां दंडवत होकर दरबार तक पहुंचे तो किसी ने घंटों इंतजार के बाद शिवलिंग के दर्शन किए। शिवरात्रि के दिन आठों प्रहर भगवान का रूद्राभिषेक किया गया। मंदिर में उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब आदि राज्यों के कांवड़िए ने भी जलाभिषेक किया। बोल बम और भगवान दूधेश्वर के जयकारों से मंदिर परिसर, जस्सीपुरा मोड़ और जीटी रोड गुंजायमान रहा। जस्सीपुरा मोड़ पर एमएमजी अस्पताल से हापुड़ तिराहे तक कांवड़ शिविर लगाए गए हैं। जहां पर मंदिरों के रहने, खाने की व्यवस्था रही।

शिविर के पास ही भोले के भजनों पर कांवड़िये थिरक रहे हैं और बम भोले के जयकारों से पूरा माहौल शिवमय हो गया है। इसके अलावा शंभू दयाल इंटर और डिग्री कॉलेज में भी कांवड़ियों के रुकने की व्यवस्था की गई है। मंदिर के आसपास का वातावरण केसरिया रंग में रंग गया है। जलाभिषेक के दौरान हर-हर महादेव, बोल बम-बम-बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सृष्टि की रक्षा को भोले ने विष पिया- महंत

महंत नारायण गिरी ने बताया कि सावन मास का बहुत अधिक महत्व है। इस महीने में समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए ग्रहण किया था। देवी-देवताओं ने उनका जल से अभिषेक कर कांवड परम्परा को शुरू किया। साथ ही भगवान विष्णु के योग निंद्रा में चले जाने से सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी भी भगवान शिव के पास होती है।

इसी कारण शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करना, गंगाजल लाकर उनका अभिषेक करने का इतना अधिक महत्व होता है। इस साल 10 लाख शिवभक्तों ने मंदिर में जलाभिषेक किया। मंदिर जाने वाले रास्ते बंद रहे जीटी रोड पर चौधरी मोड और ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर, गोशाला चौकी और हापुड़ मोड़ की तरफ से दूधेश्वर नाथ मंदिर के मार्ग बिल्कुल बंद रहा। छोटे और दोपहिया वाहनों को मंदिर की ओर नहीं जाने दिया गया। केवल पैदल श्रद्धालुओं और राहगीरों को ही बैरियर से अंदर जाने दिया जा रहा है। इस दौरान एमएमजी और महिला अस्पताल में उपचार के लिए जाने वाले मरीजों को भी मशक्कत करनी पड़ेगी। अधिकारियों की निगरानी में जलाभिषेक मंदिर में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम रहे। सीसीटीवी कैमरों के साथ भारी संख्या में पुलिस बल शिवभक्तों की व्यवस्था में लगा रहा। वहीं, मंदिर के अंदर सेवादार ने व्यवस्था संभाली।

कांवड़ियों को कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए महापौर सुनीता दयाल, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से लेकर जिलाधिकारी दीपक मीणा व पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी सिटी धवन जायसवाल, एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद, एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी आदि सभी व्यवस्थाओं पर नजर रखे हुए हैं। इन शिवालयों में जलाभिषेक शहर भर के सभी शिवालयों में पूजा अर्चना हुई। साफ-सफाई के साथ मंदिरों में सजावट की गई। विशेष तौर पर श्री मनन धाम मोरटा, शिव शक्ति धाम डासना, शिव मंदिर नेहरू नगर-2, शिव मंदिर नेहरू नगर-3, शिव मंदिर विजय नगर, शिव मंदिर पटेल नगर, शिव मंदिर लोहिया नगर, शिव मंदिर कविनगर, स्वयं भू शिव मंदिर, शिव मंदिर शास्त्री नगर, शिव मंदिर महेंद्र एन्क्लेव, शिव मंदिर अशोक नगर, शिव मंदिर प्रताप विहार, शिव मंदिर विजय नगर समेत सभी शिवालयों में जलाभिषेक किया।

फरीदाबाद: दिव्यांग सीए को अर्धनग्न कर वायरल करने वाले पुलिसकर्मियों पर मानवाधिकार आयोग सख्त

फरीदाबाद। मानवाधिकार उल्लंघन के एक गंभीर मामले में हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने फरीदाबाद पुलिस को फटकार लगाते हुए दिव्यांग चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को 50 हजार रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। यह फैसला वर्ष 2021 की उस शर्मनाक घटना से जुड़ा है, जिसमें सारन थाना पुलिस में तैनात दो पुलिसकर्मियों ने एक शारीरिक रूप से दिव्यांग युवक को न केवल थाने में अर्धनग्न किया, बल्कि उसकी तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 मई 2021 को सारन थाना में तैनात महिला एएसआई जगवती और सिपाही राकेश कुमार ने एक दिव्यांग युवक अनिल ठाकुर को हिरासत में लिया था। हिरासत के दौरान थाने में ही दोनों पुलिसकर्मियों ने अनिल को अर्धनग्न कर दिया और उसकी तस्वीरें खींची गईं, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इस घोर मानवाधिकार हनन की शिकार दिव्यांग युवक ने जब न्याय की गुहार लगाई, तो उसे लंबे समय तक पुलिस विभाग से सिर्फ टालमटोल ही मिला। आखिरकार, अनिल ठाकुर ने मामले की शिकायत हरियाणा मानवाधिकार आयोग, चंडीगढ़ में दर्ज कराई।

मामले की सुनवाई करते हुए आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा, सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह घटना केवल व्यक्ति के आत्मसम्मान पर नहीं, बल्कि उसकी निजता, गरिमा और मानसिक शांति पर भी सीधा हमला है। आयोग ने टिप्पणी की कि यह कृत्य न केवल पुलिस आचरण के नियमों के खिलाफ है, बल्कि एक दिव्यांग व्यक्ति के अधिकारों का घोर उल्लंघन है, जिसे किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मानवाधिकार आयोग के सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी डॉ. पुनीत अरोड़ा के अनुसार, फरीदाबाद पुलिस बीते चार वर्षों से इस मामले में अपने अधिकारियों का बचाव करती रही और सीसीटीवी फुटेज तक उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बावजूद आयोग ने अपनी जांच शाखा के माध्यम से गहन जांच कर सच्चाई को सामने लाया। जांच में यह साबित हुआ कि पीड़ित के साथ अमानवीय और असंवैधानिक व्यवहार हुआ है।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने गृह विभाग को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित अनिल ठाकुर को 50 हजार रुपये की मुआवजा राशि दी जाए। यह पूरी राशि संबंधित दोनों पुलिसकर्मियों से आधी-आधी वसूली के रूप में ली जाएगी। यह फैसला एक बार फिर यह साबित करता है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और जिन लोगों पर नागरिकों की रक्षा का जिम्मा है, अगर वही संविधान और मानवाधिकारों का उल्लंघन करें, तो उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह मामला न केवल फरीदाबाद, बल्कि पूरे हरियाणा पुलिस प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि किसी भी स्तर पर अधिकारों का दुरुपयोग करने वालों को संरक्षण नहीं मिलेगा।

मानसून को लेकर एनडीआरएफ की टीमें तैनात

गाजियाबाद। मानसून में होनी वाली आपदाओं से निपटने के लिए गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने कमर कस ली है। अकादमी ने बरेली, फरुर्खाबाद और ग्वालियर में टीमों को तैनात किया है। इन टीमों में महिला रेस्क्यूअर्स, तैराक और खोजी कुत्तों की डॉग स्क्वॉड टीम को शामिल किया गया है। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट कुनाल तिवारी ने बताया कि एनडीआरएफ की यह तैयारी मानसून के दौरान बाढ़ से निपटने के लिए की गई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मानसून को लेकर संवेदनशील इलाकों में टीमें तैनात की जा रही हैं। इन टीमों को उपकरणों और तकनीकों से लैस किया गया है, जिससे कि आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को तेजी से किया जा सके।

फरीदाबाद की अरावली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 240 अवैध निर्माण तोड़े

261 एकड़ जमीन वन विभाग ने कराई खाली

फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद फरीदाबाद के अरावली क्षेत्र में वन भूमि पर किए गए अवैध निमाणों को हटाने की कार्रवाई जोर पकड़ चुकी है। वन विभाग ने पहले चरण की कार्रवाई पूरी कर ली है, जिसके तहत 240 निर्माण तोड़कर 261 एकड़ जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। अब यह रिपोर्ट सरकार के माध्यम से सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी को सौंप दी गई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई सितंबर के पहले सप्ताह में होनी है।

पहले चरण की इस कार्रवाई में फार्महाउस, बैंक्वेट हॉल, मैरिज गार्डन और व्यवसायिक गतिविधियों के लिए बने कई निर्माण शामिल थे। इनमें से अधिकतर निर्माण अनंगपुर, अनखीर, लक्कड़पुर और मेवला महाराजपुर गांवों में पाए गए थे। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अरावली के इन चार गांवों की 786.26 एकड़ वन भूमि पर कुल 6,793 अवैध निर्माण चिह्नित किए गए थे। पहले चरण में विभाग ने अनंगपुर गांव में 133, लक्कड़पुर (खोरी) में 59 और अनखीर में 49 निमार्णों को ध्वस्त किया। कुल मिलाकर एक-तिहाई जमीन पर से अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

इस कार्रवाई की आंच अब सरकारी संस्थानों तक भी पहुंच चुकी है। वन विभाग ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और हरियाणा पर्यटन विभाग को नोटिस जारी कर उनके द्वारा किए गए वन भूमि पर निर्माण को लेकर जवाब तलब किया है। एचएसवीपी की लगभग 10 एकड़ जमीन वन क्षेत्र में आ रही है, जहां पर ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी और जिमखाना क्लब जैसे निर्माण मौजूद हैं।

फरीदाबाद में करंट लगने से कांवड़िए की मौत, साथी गंभीर घायल

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले के गांव फरीदपुर के पास डाक कांवड़ लेकर लौट रहे दो युवकों में से एक की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा उस समय हुआ जब ये युवक डीजे पर सवार होकर जयकारे लगा रहे थे और ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। इस हादसे में 24 वर्षीय रवि नामक युवक की मौत हो गई, जबकि अनिल नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक रवि फरीदाबाद के लहडोला गांव का रहने वाला था और निजी कंपनी में नौकरी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 जुलाई को लहडोला गांव से रवि अपने साथियों के साथ डाक कांवड़ लेने हरिद्वार गया था। यात्रा के दौरान 23 जुलाई की सुबह उनकी टोली गांव फरीदपुर के पास पहुंची, जहां सड़क के ऊपर से 11 हजार वोल्टेज की लाइन गुजर रही थी। इस दौरान जब रवि डीजे पर बैठकर जयकारा लगा रहा था, तो उसका हाथ ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तार से टकरा गया और वह करंट की चपेट में आ गया। साथ में डीजे पर बैठा अनिल भी करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। दोनों को तत्काल एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया, जबकि अनिल की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। मृतक के चाचा संदीप ने बताया कि रवि अविवाहित था और परिवार का एक जिम्मेदार सदस्य था।

फरीदाबाद में आईटी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से प्लॉट दिलाने के नाम पर 14 लाख की ठगी

पलवल। फरीदाबाद में एक आईटी कंपनी में कार्यरत प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ बड़ा धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा के निवासी अंजली कुमार नामक व्यक्ति से 14 लाख रुपए की ठगी कर आरोपी पति-पत्नी ने न केवल उनकी मेहनत की कमाई हड़प ली, बल्कि पूरे नौ साल तक मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करते रहे। मामला तब प्रकाश में आया जब पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सेक्टर-31 थाना पुलिस ने आरोपी शक्ति मनचंदा और उनकी पत्नी ज्योति मनचंदा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।पीड़ित अंजली कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अक्टूबर 2016 में उनके एक परिचित एजेंट ने टू वन टाउनशिप नामक रियल एस्टेट कंपनी के मालिक शक्ति मनचंदा और उनकी पत्नी ज्योति मनचंदा से मुलाकात करवाई थी। इन दोनों ने मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में एक बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट की योजना का हवाला देते हुए 300 गज का प्लॉट दिखाया और बुकिंग के नाम पर साढ़े चार लाख रुपए ले लिए। एजेंट परिचित था, इसलिए किसी प्रकार का संदेह नहीं हुआ। आरोपी पति-पत्नी ने दावा किया कि प्रोजेक्ट पर जल्द ही विकास कार्य शुरू होगा और पीड़ित को समय पर अलॉटमेंट और पजेशन मिल जाएगा। कुछ महीनों बाद शक्ति मनचंदा और उनकी पत्नी ने पीड़ित से साइट डेवलपमेंट के नाम पर और 10 लाख रुपए की मांग की। अंजली कुमार ने भरोसे में आकर यह राशि भी दे दी। इसके बदले उन्हें कोई कानूनी दस्तावेज या पक्की रसीद नहीं दी गई।

गाजियाबाद में प्लास्टिक मुक्त कावड़ शिविर का सफल समापन, महापौर और नगर आयुक्त ने की सराहना

गाजियाबाद। सावन माह के अवसर पर आयोजित कावड़ महोत्सव गाजियाबाद में सफलता के साथ संपन्न हो गया। लाखों की संख्या में कावड़ यात्री गाजियाबाद होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। इस दौरान नगर निगम और पुलिस प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं की सराहना यात्रियों ने खुलकर की। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इस वर्ष प्लास्टिक मुक्त और जीरो वेस्ट आधारित कावड़ शिविर का आयोजन किया गया, जिसका सफल समापन महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में संपन्न हुआ। समापन समारोह में नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और पार्षदों की उपस्थिति रही। नगर आयुक्त ने बताया कि कावड़ महोत्सव के दौरान लगातार बारिश होने के बावजूद जलकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छता टीमों ने 24 घंटे सेवा भाव से काम किया। शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं पूरी तरह सुलभ रहीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले निगम कर्मियों को सम्मानित भी किया गया और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। महापौर सुनीता दयाल ने प्रसाद वितरण करते हुए कांवड़ियों से उनका हाल-चाल जाना और सफल यात्रा की बधाई दी। इस अवसर पर दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से आए कावड़ यात्रियों ने गाजियाबाद नगर निगम द्वारा दी गई सुविधाओं की खुले दिल से तारीफ की। यात्रियों ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त शिविर की पहल न केवल पर्यावरण के लिए सराहनीय रही, बल्कि व्यवस्था के लिहाज से भी यह एक बेहतरीन उदाहरण बना। महापौर और नगर आयुक्त ने कावड़ यात्रा के सफल समापन पर पूरी निगम टीम को बधाई दी और भविष्य में ऐसे आयोजनों को और बेहतर बनाने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश में ट्रक और बस में टक्कर, छह लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश के राजशाही विभाग के ग्राणीण क्षेत्र में आज सुबह हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। फिलहाल एक मृतक की पहचान हो सकी है।
कुछ लोग घायल हैं। उन्हें पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर में बोनपारा हाइवे पुलिस थाना प्रभारी इस्माइल हुसैन के हवाले से बताया गया है कि सुबह लगभग 9:30 राजशाही विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के नाटोर जिला के बरईग्राम उपजिला में ट्रक और मिनी बस के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना बोनपारा-हतीकुमरुल राजमार्ग पर एयरमारी में तारमुज पंप क्षेत्र के सामने हुई। मृतकों में अभी तक केवल बस चालक 32 वर्षीय रुबेल हुसैन की पहचान हो पाई है। वह मेहरपुर के गंगनी उपजिला का रहने वाला है। हाइवे थाना प्रभारी हुसैन ने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग बस यात्री हैं। यह बस मेहरपुर से ढाका जा रही थी। एयरमारी में विपरीत दिशा से आ रहे सीमेंट से लदे ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। चालक रुबेल हुसैन समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बरईग्राम उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया। वहां एक घायल ने दम तोड़ दिया। शेष घायल यात्रियों को बाद में राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शी मिजानुर रहमान के अनुसार, बस एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी तभी उसकी टक्कर सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। मारे गए छह लोगों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। हाइवे पुलिस के अनुसार, ट्रक को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस का आईपीओ 29 जुलाई को खुलेगा, मूल्य दायरा 150-158 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड का 254 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जुलाई को खुलेगा। कंपनी ने बुधवार को इसके लिए मूल्य दायरा 150-158 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने बताया कि आईपीओ 31 जुलाई को बंद होगा। जयपुर स्थित कंपनी का आईपीओ 1.84 करोड़ इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 56.38 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कुल मिलाकर, मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ का आकार 254.26 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने बताया कि नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग पूंजी आधार को मजबूत करने के लिए किया जाएगा, ताकि ऋण और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए भविष्य की पूंजीगत जरूरतों को पूरा किया जा सके। गैर-जमा एनबीएफसी लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस ग्राहकों को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम) ऋण, वाहन ऋण, निर्माण ऋण और अन्य ऋण समाधान सहित विविध उत्पाद पोर्टफोलियो प्रदान करती है।

मारुति सुजुकी ने स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने वाहन विनिर्माण और परिवहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान विकसित करने के लिए स्टार्टअप को प्रोत्साहित और समर्थन देने को लेकर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ गठजोड़ किया है। वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को मारुति सुजुकी के नवोन्मेष कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
चयन के बाद, स्टार्टअप को विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, उद्योग की सोच और वाहन विनिमार्ता के व्यापक नेटवर्क और बुनियादी ढांचे तक पहुंच का लाभ मिलेगा। यह उनके समाधान के सत्यापन के लिए एक बेहतर परीक्षण स्थल के रूप में कार्य करेगा। इसके अतिरिक्त, स्टार्टअप को अपने समाधान प्रदर्शित करने के लिए इनक्यूबेटर और निवेशकों से जुड़ने का एक मंच मिलेगा। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (कंपनी) राहुल भारती ने कहा, डीपीआईआईटी के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हम वाहन विनिर्माण और परिवहन क्षेत्र मंं प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान बनाने के लिए स्टार्टअप का समर्थन करने के अपने प्रयासों को और तेज कर पाएंगे।

आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट को पहली तिमाही में 27 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट लिमिटेड (एबीआरईएल) को चालू वित्त वर्ष (2025-26) की पहली तिमाही में 27.08 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी को गत वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 17.35 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था। एबीआरईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय भी घटकर 157.41 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 365.24 करोड़ रुपये थी। आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट का नाम पहले सेंचुरी टेक्सटाइल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड था। इसने हाल ही में अपना पल्प और पेपर कारोबार बेचा है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका ने किया तनाव कम कराने का दावा, भारत कर दिया करेक्शन

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर अमेरिका ने दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को कम करने में अमेरिका का बड़ा योगदान रहा है। हालांकि इस पर तत्काल ही भारत ने करेक्शन करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ये दोनों देशों के बीच आपसी सहमति से संभव हुआ है। न कि अमेरिकी प्रयासों से। कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि डोरोथी शीया ने कहा कि पिछले तीन महीनों में अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका में जिन तनावपूर्ण संघर्षों को कम किया गया, उनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव भी शामिल है। डोरोथी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोनों पक्षों को इन प्रस्तावों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी हम सराहना और समर्थन करते हैं। दूसरी ओर, भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने दृढ़ता से कहा कि यह पाकिस्तान के भारत से अनुरोध पर सीधे तौर पर संपन्न हुआ था। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने जब अपने प्राथमिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया, तो पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य गतिविधियों को सीधे तौर पर रोक कर दिया गया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक केंद्रित, नपी-तुली और गैर-उत्तेजक कार्रवाई थी। हरीश ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा परिषद के उस बयान से प्रेरित था, जिसमें पहलगाम हमले के अपराधियों, योजनाकारों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जिम्मेदार ठहराने की जरूरत पर जोर दिया गया। इस अभियान के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। डोरोथी और पी हरीश, सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर खुले विमर्श के दौरान बोल रहे थे, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इसहाक डार ने की। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष रुकवाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उनके इस दावे का समर्थन किया है। डोनाल्ड ट्रंप दावा कर चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव अगर ऐसे ही चलता रहता, तो एक हफ्ते के भीतर यह परमाणु युद्ध में बदल जाता। ट्रंप ने दावा करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं को यह कहकर संघर्ष रोकने को मजबूर किया कि अगर उन्होंने युद्ध नहीं रोका, तो कोई व्यापार समझौता नहीं होगा।

जापानी प्रधानमंत्री जल्द छोड़ सकते हैं अपना पद: मीडिया

टोक्यो मुंबई। अमेरिका के साथ हुए एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते ने जापान की सियासत में भूचाल ला दिया है। इस समझौते के तुरंत बाद जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के इस्तीफे की खबरें सुर्खियों में हैं। इशिबा ने अपने करीबी सहयोगियों को यह संकेत दिया है कि वह जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। पीएम इशिबा ने कहा कि वह अमेरिका के साथ हुए टैरिफ समझौते का गहन अध्ययन करने के बाद इस्तीफा देने के संबंध में फैसला लेंगे।
पिछले सप्ताह के अंत में हुए चुनाव में इशिबा की सत्तारूढ़ पार्टी को ऐतिहासिक हार मिलने के बाद उन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ गया है। उनके दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और सहयोगी दल कोमिटो ने रविवार को 248 सदस्यीय उच्च सदन में बहुमत खो दिया है। इशिबा ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता समेत विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए पद पर बने रहेंगे। अमेरिका के साथ टैरिफ समझौते के बाद उनके संभावित इस्तीफे का रास्ता साफ हो गया है। जापानी मीडिया ने कहा है कि वह अगस्त में पद छोड़ने के बारे में घोषणा कर सकते हैं।

अमेरिका के साथ डील के लिए मजबूर हुआ जापान? क्या है व्यापार समझौता: ट्रंप द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने की धमकियों के चलते जापान को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते के लिए मजबूर होना पड़ा। 23 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक इवेंट के दौरान जापान के साथ अब तक के सबसे बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की। इस डील के तहत जापान अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा और बदले में 15% रेसिप्रोकल यानी जवाबी टैरिफ चुकाएगा। ट्रंप ने इसे इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समझौता करार देते हुए दावा किया कि इससे लाखों नौकरियां पैदा होंगी और इसका 90% मुनाफा अमेरिका को मिलेगा। इस समझौते से अमेरिका को जापानी बाजारों में कार, ट्रक, चावल और अन्य कृषि उत्पादों के लिए बेहतर पहुंच मिलेगी।
जापान ने लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी मांग को मानते हुए 15% जवाबी टैरिफ लागू करने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने इस डील को अपनी व्यक्तिगत पहल का परिणाम बताया और कहा कि यह उनके निदेशों पर हुआ है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने भी इस समझौते का स्वागत किया, लेकिन इसके तुरंत बाद उनकी अपनी सियासी जमीन खिसकती नजर आई।
विशेषज्ञों ती मानें तो यह डील ट्रंप की टैरिफ नीति के दबाव में हुई, क्योंकि ट्रंप ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर 1 अगस्त 2025 तक समझौता नहीं हुआ, तो जापानी सामानों पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। इस दबाव के कारण जापान ने समय रहते समझौता किया, ताकि भारी टैरिफ से बचा जा सके। हालांकि, जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा है कि वे इस डील को पूरी तरह समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह समझौता कुछ हद तक दबाव में हुआ।
चुनाव में हार और इस्तीफे की अटकलें: जापान की संसद डायट के उच्च सदन हाउस ऑफ काउंसलर्स की 248 सीटों में से 124 पर रविवार को हुए चुनाव में इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उनके गठबंधन सहयोगी कोमेइतो को करारी हार का सामना करना पड़ा। गठबंधन को बहुमत बनाए रखने के लिए 50 नई सीटें जीतने की जरूरत थी, लेकिन वे केवल 47 सीटें ही हासिल कर पाए। यह हार पिछले एक दशक से भी अधिक समय में सत्तारूढ़ गठबंधन की सबसे बड़ी हार मानी जा रही है। योमिउरी अखबार के अनुसार, इशिबा ने मंगलवार शाम अपने करीबी सहयोगियों से कहा कि वह इस हार की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे और व्यापार समझौते के बाद इस्तीफा दे सकते हैं।

यूक्रेन समेत इन 10 देशों में तेजी से घट रही आबादी, एक मुल्क में तो 9 हजार लोग ही बचे

वाशिंगटन मुंबई। दुनिया की आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। हजारों सालों के अंतराल में धरती पर इंसानों की आबादी एक अरब तक पहुंची थी। लेकिन फिर एक अरब से 8 अरब तक पहुंचने में महज 200 साल ही लगे। यही नहीं 1960 से अब तक यानी 65 सालों में दुनिया की आबादी 3 अरब से बढ़कर आठ अरब तक पहुंची है। लेकिन इस जोरदार ग्रोथ के बाद भी कुछ देश ऐसे हैं, जहां इंसानों की संख्या में कमी आ रही है। यही नहीं एक देश तुवालु पर तो अस्तित्व का खतरा ही मंडरा रहा है। पश्चिम-मध्य प्रशांत महासागर के इस द्वीपीय देश की आबादी महज 10 हजार ही है और अब उसमें भी गिरावट का दौर जारी है।
वर्ष 2011 में दुनिया की आबादी 7 अरब थी और महज 14 सालों में ही आंकड़ा एक अरब और बढ़ गया। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2030 तक विश्व की आबादी 8.6 अरब हो जाएगी। फिर 2050 तक आंकड़ा 9.8 अरब होगा और 2100 में यह 11.2 अरब हो जाएगी। लेकिन यूक्रेन, जापान और ग्रीस जैसे कई देश हैं,

जिनकी आबादी में गिरावट दर्ज की गई है। यूक्रेन में तो 2002-23 में यानी एक साल के अंदर ही आबादी में 8.10 फीसदी की गिरावट आई। इस कमी की वजह युद्ध में मौतों और बड़ी संख्या में देश से पलायन को माना जा रहा है।
इसके अलावा तुवालु की आबादी में 1.80 पर्सेंट की कमी आई है। देश की आबादी ही 10 हजार है, जो अब 9 हजार से कुछ अधिक ही रह गई है। यदि संख्या इसी तरह घटती रही तो वह लुप्त होने की कगार पर होगा। तुवालु ऑस्ट्रेलिया और हवाई के बीच का एक द्वीपीय देश है। यूरोपीय देश ग्रीस की आबादी में भी कमी हो रही है और कुल 1.60 पर्सेंट की गिरावट एक दिन के अंदर ही दर्ज की गई है। वहीं सैन मारिनो की आबादी 1.10 पर्सेंट कम हुई है। कोसोवो लैंडलॉक्ड की आबादी में भी 1 फीसदी गिरावट हुई। रूस के पड़ोसी देश बेलारूस की पॉपुलेशन में 0.60 पर्सेंट की गिरावट दर्ज की गई। बोस्निया और अलबानिया की आबादी भी इतनी ही कम हुई है।
अब बात करते हैं, जापान की। यहां भी आबादी में आधे फीसदी की कमी दर्ज की गई है। अन्य देशों में पलायन और कम जन्मदर के चलते आबादी घट रही है, लेकिन जापान में इसका एकमात्र कारण जन्मदर में कमी है। हालात ऐसे हैं कि जापान में तमाम इंसेंटिव्स के ऐलान के बाद भी लोग बच्चे नहीं पैदा करने चाहते। यूक्रेन से तो बड़ी संख्या में लोग शरण के लिए दूसरे देशों में चले गए हैं। इसके अलावा युद्ध में भी हजारों लोग अब तक मारे जा चुके हैं। इस तरह यूक्रेन दुनिया में सबसे तेजी के साथ कम होती आबादी वाला देश है।

ट्रम्प ने जापान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जापान के साथ एक बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते की घोषणा की है। श्री ट्रम्प ने कल रात ट्रुथ सोशल पर कहा, हमने जापान के साथ एक बड़ा समझौता पूरा किया है, शायद अब तक का सबसे बड़ा समझौता।
इस समझौते के तहत अमेरिकी आयातक देश को निर्यात किए जाने वाले जापानी सामानों पर 15 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क का भुगतान करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि जापान अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश भी करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार श्री ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को मुनाफे का 90 प्रतिशत मिलेगा, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ये निवेश कैसे काम करेंगे या मुनाफे की गणना कैसे की जाएगी। श्री ट्रम्प ने पोस्ट किया, यह समझौता लाखों नौकरियाँ पैदा करेगा - ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

दिन हुए छोटे, वैज्ञानिक हैरान

कैलिफोर्निया। इस साल गर्मी के मौसम में पृथ्वी की गति तेज होने के कारण दिन थोड़े छोटे हो गए हैं, जिसने वैज्ञानिकों को समय की गणना पर खासा ध्यांन देना पड़ा है। इंटरनेशनल अर्थ रोटेशन एडं रेफरेंस सिस्टंम्सग सर्विस और यूएस नेवल आब्जार्वेटरी के आंकड़ों से पता चला है कि गत 10 जुलाई अब तक का सबसे छोटा दिन था, जो 24 घंटे से 1.36 मिलीसेकंड कम दर्ज किया गया। एक चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि 22 जुलाई को दिन 24 घंटे से 1.34 मिलीसेकंड छोटा रहा। यही नहीं अनुमान है कि आगामी पांच अगस्त6 का दिन भी 24 घंटे से 1.25 मिलीसेकंड कम हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक दिन की लंबाई वह समय है जो धरती अपनी धुरी पर एक पूरा चक्कर काटने में लेती है। यह औसतन 24 घंटे या 86,400 सेकंड होता है। लेकिन वास्तव में, चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल, धरती पर मौसमी बदलाव और पृथ्वी के आंतरिक कोर के असर जैसी चीजों के चलते धरती का घूमना थोड़ा आगे पीछे हो जाता है। इसका असर यह पड़ता है कि एक पूरा चक्कलर आमतौर पर 86,400 सेकंड से थोड़ा कम या अधिक समय लगता है झ यह अंतर केवल मिलीसेकंड का है जिसका रोजमर्रा के जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। ये अंतर लंबे समय में कंप्यूटर, उपग्रह और दूरसंचार पर असर डाल सकते हैं, यही कारण है कि 1955 में शुरू की गई परमाणु घड़ियों का उपयोग कर समय के सबसे छोटे बदलाव को भी दर्ज कर लिया जाता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वाई2के समस्या जैसी बात सामने आ सकती है, जिससे कभी कम्यूञ टर प्रणाली को ही ठप कर देने का खतरा पैदा कर दिया था। परमाणु घड़ियां एक निर्वात कक्ष में रखे परमाणुओं के दोलनों की गणना करके 24 घंटों की गणना अत्यंत सटीकता से करती हैं। ये समय-निर्धारण के लिए वैश्विक मानक है, साथ ही यह वह समय भी है जिस पर हमारे सभी फोन और कंप्यूटर सेट होते हैं। पिछले साल, 5 जुलाई, 2024 को, पृथ्वी ने अब तक का सबसे छोटा दिन देखा, जो 24 घंटे से 1.66 मिलीसेकंड कम था।

रूस में बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं की संख्या में आ रही गिरावट

मॉस्को। पहले रशियन लोककथाओं में कहा जाता था कि खूबसूरत लड़कियों को भी दूल्हा ढूंढना मुश्किल हो जाता था, लेकिन आज रूस खुद ऐसे संकट का सामना कर रहा है जहां बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्वीकार किया है कि अब समाज में वह पहले जैसी स्थिति नहीं रही और जनसंख्या का संतुलन बदल चुका है। रूस की केंद्रीय सांख्यिकी सेवा के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 1 जनवरी, 2025 तक देश की कुल अनुमानित जनसंख्या 14 करोड़ 60 लाख के करीब रही, जो पिछले साल की तुलना में 0.08 प्रतिशत कम है।
जनसांख्यिकी विशेषज्ञ एलेक्सी रक्शा के अनुसार, साल 2025 के पहले तीन महीनों में केवल 2.94 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले 225 वर्षों में सबसे कम आंकड़ा है। यह गिरावट फर्टिलिटी रेट में भारी कमी को दर्शाती है, जिससे भविष्य में मृत्यु दर बढ़ने की आशंका है। चीन भी इसी तरह की जनसंख्या समस्या का सामना कर चुका है। हालांकि मास्को, लेनिनग्राद और इंगुशेतिया जैसे कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या में हल्की वृद्धि देखी गई है, जिससे सरकार को कुछ उम्मीदें बनी हुई हैं। रूस सरकार प्रजनन दर को बढ़ाने के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही है, जिनमें आर्थिक प्रोत्साहन शामिल हैं।

बांग्लादेश में प्लेन क्रैश के बाद यूनुस की चंदा अपील पर भड़की जनता, पोस्ट डिलीट करना पड़ा

ढाका। बांग्लादेश में हुए दर्दनाक प्लेन हादसे के बाद जब मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने मृतकों और घायलों की मदद के लिए जनता से चंदा मांगा, तो देशभर में नाराजगी की लहर दौड़ गई। हादसे की पीड़ा झेल रही जनता ने सरकार की इस अपील को शर्मनाक बताते हुए सोशल मीडिया पर कड़ा विरोध जताया। विवाद इतना बढ़ा कि यूनुस को यह पोस्ट तुरंत डिलीट करनी पड़ी। गौरतलब है कि सोमवार को ढाका के माइलस्टोन स्कूल पर बांग्लादेश की सेना का एक ट्रेनी जेट क्रैश हो गया था। अब तक इस हादसे में 32 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों घायल हैं। इसी बीच यूनुस ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज से मुख्य सलाहकार राहत और कल्याण कोष में दान देने की अपील की। उनका उद्देश्य हादसे में मारे गए और घायल लोगों के परिवारों की मदद करना था। लेकिन यह अपील लोगों को नागवार गुजरी। कई नागरिकों और राजनीतिक दलों ने इस पर तीखा सवाल उठाया कि क्या सरकार के पास ऐसे आपातकालीन हालात में सहायता देने के लिए भी फंड नहीं हैं? सोशल मीडिया पर लोग पूछने लगे झ क्या अब देश चलाने के लिए भीख मांगनी पड़ेगी?
एक यूजर ने लिखा, पिछले साल बाढ़ राहत के लिए 1200 करोड़ टका कहां गए? क्या यह सरकार देश को एनजीओ समझ बैठी है? वहीं, एक अन्य नागरिक ने कहा, सरकार की यह अपील पीड़ितों का अपमान है।
डिलीट की गई पोस्ट की पुष्टि वरिष्ठ सहायक प्रेस सचिव फयेज अहमद ने भी की, जिन्होंने इसे आधिकारिक व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा किया था। हालांकि आलोचना के बाद बिना कोई स्पष्टीकरण दिए पोस्ट हटा ली गई।

पाकिस्तान में तख्तापलट की तैयारी में मुल्ला मुनीर.... देखना दिलचस्प होगा कौन बनेगा बलि का बकरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का इतिहास कहता है कि ये एक ऐसा देश जहां से कई बार सैन्य शासन रहा है। लोकतंत्र इस देश में सिर्फ दिखावा है, यहां असली फैसले फौज लेती है। इनदिनों फिर से जिस तरह फील्ड मार्शल बने आसिम मुनीर के हाथ में ताकत आ रही है और वे लोकप्रिय हो रहे हैं, यह देखकर लग रहा है कि पाकिस्तान एक और सॉफ्ट तख्तापलट होने वाला है। बस देखना ये है कि ये काम होता कैसे है और नुकसान किसका होता है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हालत देखकर लगता है कि देश की कमान उनके हाथ है, लेकिन उनकी चलती एक नहीं है। अब आधिकारिक दौरों पर भी पीएम की जगह सेना प्रमुख जाने लगे हैं। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर में भारत से मुंह की खाने के बाद अंदरखाने की हालत सेना प्रमुख मुनीर और शहबाज शरीफ को अच्छी तरह पता थी। इसके बाद शहबाज के हाथ से

सेना प्रमुख ने लगभग सारी ताकत अपने हाथ में ले ली है। जून, 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में दो घंटे तक पाकिस्तानी सेना प्रमुख से मुलाकात की, उन्हें लंच खिलाकर ईरान के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन मांगा। दिलचस्प ये है कि आमतौर पर ऐसी नीतियां दो देशों के शीर्ष नेता करते हैं, लेकिन यहां ये काम सेना प्रमुख ने किया। बस इसके बाद तय हो गया कि पाकिस्तान में सत्ता का केंद्र अब बदल चुका है।
आसिम मुनीर को मई, 2025 में शरीफ ने फील्ड मार्शल की उपाधि दी। ये इससे पहले सिर्फ एक बार आयूब खान को दी गई थी। इसके बदले शरीफ अपनी प्रधानमंत्री की कुर्सी बचाए रखना चाहते हैं। वे आधिकारिक दौरों पर भी आसिम मुनीर ही पूरी शाही सुविधाओं के साथ जा रहे हैं, पीएम शहबाज का नाम भी नहीं रहता। हाल ही में मुनीर के श्रीलंका और इंडोनेशिया दौरे की चर्चा है, जहां वे विजिट के लिए शाही तैयारियों का साथ जा रहे हैं। चर्चा हैं कि शहबाज शरीफ सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने में जुटे हैं, लेकिन अगर जनरल मुनीर की नजर वाकई इस्लामाबाद पर है, तब सबसे आसान टार्गेट राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी हैं, जिन्हें एक नरम तख्तापलट के द्वारा हटाकर वे पद पर काबिज हो सकते हैं। हालांकि शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि मुनीर को इस पद की चाह नहीं है लेकिन इतिहास बताता है कि जब फील्ड मार्शल का पद सेना प्रमुख को मिला, तब पाकिस्तान में तख्तापलट हुआ है।

मार्टिन लूथर किंग मर्डर केस: क्या एक्स्ट्रा मैरेटल अफेयर थी हत्या की वजह?

वाशिंगटन। अमेरिका में सिविल राइट्स मूवमेंट के प्रतीक मार्टिन लूथर किंग जूनियर को 1963 में दिए उनके भाषण आई हैव अ ड्रीम के लिए जाना जाता है। उनकी 4 अप्रैल 1968 को मेम्फिस, टेनेसी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या की जिम्मेदारी जेम्स अर्ल रे ने 1969 में ली थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और अपनी मौत तक खुद के बेगुनाह होने का दावा किया। हालांकि उसे पूरी सजा हुई थी और जेल में ही उसकी मौत हो गई थी।
ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका में सिविल राइट्स मूवमेंट के प्रतीक मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या से संबंधित लगभग 2,30,000 पेज के दस्तावेज सार्वजनिक दिए। हालांकि ट्रंप प्रशासन के इस कदम का किंग के परिवार ने विरोध किया था। यह दस्तावेज 1977 से एक अदालती आदेश के तहत गोपनीय रखे गए थे। अब इन्हें नेशनल आर्काइव्स की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिए गए हैं। इस कदम को प्रशासन ने पारदर्शिता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है, लेकिन किंग के परिवार और दक्षिणी क्रिश्चियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एससीएलसी) ने इसे उनकी गोपनीयता

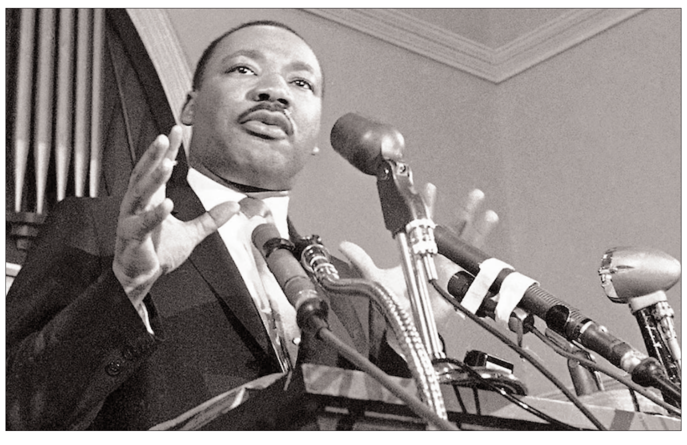

और विरासत पर हमला करार दिया।
राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि अमेरिकी जनता ने डॉ किंग की हत्या की पूरी जांच को देखने के लिए लगभग 60 वर्षों तक इंतजार किया है। राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में हम इस महत्वपूर्ण और दुखद घटना पर पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहे हैं। दस्तावेजों में एफबीआई की निगरानी से संबंधित रिकॉर्ड शामिल हैं, जिनमें किंग के फोन टैपिंग, होटल के कमरों में बगिंग और उनके खिलाफ सूचनाएं एकत्र करने के लिए जासूसों का उपयोग शामिल है। ये दस्तावेज उस समय के एफबीआई निदेशक जे। एडगर हूवर की किंग और सिविल राइट्स मूवमेंट पर पैनी नजर को उजागर करते हैं। इस रिपोर्ट में दावे किए गए थे किंग के एक्ट्रा मैरेटल अफेयर थे। इन अफेयर्स के बारे में जानकारी एफबीआई की निगरानी की वजह से सार्वजनिक हो गई थी। हालांकि उनकी हत्या और उनके अफेयर के बीच कोई संबंध नहीं था। अब तक की जांच में इन दोनों के बीच कोई संबंध की जानकारी नहीं है।
हालांकि, किंग के दो जीवित बच्चे मार्टिन लूथर किंग3 और बर्निस किंग ने एक संयुक्त बयान मं कहा कि वे पारदर्शिता और ऐतिहासिक जवाबदेही का समर्थन करते हैं, लेकिन उन्हें डर है कि इन दस्तावेजों का दुरुपयोग उनके पिता की विरासत पर हमला करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों से अनुरोध करते हैं जो इन फाइलों को देखें, वे हमारे परिवार के दुख के प्रति सहानुभूति, संयम और सम्मान के साथ ऐसा करें। परिवार का मानना है कि हूवर के नेतृत्व में एफबीआई ने किंग को बदनाम करने और नागरिक अधिकार आंदोलन को कमजोर करने के लिए आक्रामक और परेशान करने वाली निगरानी की थी। किंग की भतीजी अल्वेडा किंग ने इस रिलीज का समर्थन किया और कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रम्प और डीएनआई गबार्ड के प्रति आभारी हूं कि उन्होंने पारदर्शिता के अपने वादे को पूरा किया। मेरे चाचा सत्य और न्याय की खोज में निर्भीक थे और उनकी विरासत आज भी अमेरिकियों को प्रेरित करती है। दूसरी ओर नागरिक अधिकार नेता अल शार्प्टन ने इस कदम को पारदर्शिता के लिए नहीं, बल्कि जेफ्री एपस्टीन की फाइलों को लेकर ट्रम्प की आलोचना से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया।

भारत ने सीमा पार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान को लताड़ा

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए सीमा पार आतंकवाद को लगातार प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने पहलगाम में पर्यटकों पर किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के आतंकवाद-रोधी अभियान का जिक्र किया और छद्म युद्ध से उत्पन्न बढ़ते खतरे का उल्लेख किया। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा संघर्षों को पाकिस्तान के सहयोग से गैर-सरकारी तत्व तेजी से बढ़ाते जा रहे हैं। पी हरीश ने पाकिस्तान को उसकी असलियत बताते हुए भारत और पाकिस्तान की स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने कहा, एक तरफ एक जीवंत लोकतंत्र, उभरती अर्थव्यवस्था और एक बहुलवादी समाज वाला भारत है तो दूसरी तरफ कट्टरता, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय कर्ज पर लगातार निर्भर पाकिस्तान है। इस परिषद का एक सदस्य देश जिसका, आचरण पूरा विश्व जानता है, जो आतंकवाद का रहनुमा है और जिसकी आलोचना पूरी दुनिया करती है उसे कम से कम इस तरह के उपदेश नहीं देने चाहिए। भारतीय प्रतिनिधि ने सुरक्षा परिषद में एक उच्च स्तरीय खुली बैठक में आतंकवाद के मसले पर जमकर पाकिस्तान को लताड़ा और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का हवाला दिया जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन शुरू करते हुए पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादी शिविरों पर एक सटीक और आनुपातिक कार्रवाई की। उन्होंने कहा, यह ऑपरेशन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के बाद और पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने पर शीघ्र ही समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने वैश्विक व्यवस्था में भारत की लंबे समय से निभाई जा रही रचनात्मक भूमिका की पुष्टि करते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत ने अधिक शांतिपूर्ण, समृद्ध, न्यायसंगत और समतापूर्ण विश्व को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ लगातार काम किया है।

संक्षिप्त खबर

एथलेटिक बिलबाओ ने ओसासुना के डिफेंडर जीसस अरेसो को दूसरी बार टीम में किया शामिल

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ ने एक बार फिर राइट बैक जीसस अरेसो को ओसासुना से साइन कर लिया है। यह अरेसो का क्लब में दूसरा कार्यकाल होगा। अरेसो को लगभग 1.2 करोड़ यूरो (करीब 14 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की रिलीज क्लॉज के तहत साइन किया गया है और उन्होंने 2031 तक छह साल का अनुबंध किया है। इस ट्रांसफर में एथलेटिक ने एटलेटिको मैड्रिड की रुचि को पीछे छोड़ा। 26 वर्षीय अरेसो इससे पहले 2017 में 4.5 लाख यूरो में ओसासुना से एथलेटिक पहुंचे थे और क्लब की बी टीम के लिए 55 मुकाबलों में खेले। हालांकि, उन्होंने नया अनुबंध ठुकराकर 2021 में ओसासुना वापसी की थी। एक गंभीर पैर की चोट से उबरने के बाद, उन्होंने पिछले दो सीजनों में ला लीगा में ओसासुना के लिए 76 मैच खेले। तेज और आक्रामक शैली में खेलने वाले अरेसो अब ओस्कार डी मार्कोस की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन के अंत में क्लब के लिए रिकॉर्ड 572 मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, एथलेटिक बिलबाओ स्पेन के डिफेंडर आयमेरिक लापोर्ते को भी सऊदी क्लब अल-नासर से दोबारा साइन करने के करीब है। क्लब ने पिछले सीजन ला लीगा में चौथा स्थान हासिल किया था और चैंपियंस लीग में वापसी की तैयारी कर रहा है।

तलवारबाजी में वैष्णवी बोरकर का परचम, राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में जुटी

इंदौर। इंदौर के संगम नगर क्षेत्र की निवासी वैष्णवी बोरकर ने हाल ही में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की अंतरविद्यालय तलवारबाजी प्रतियोगिता वर्ष 2025 में अंडर-17 आयु वर्ग के फॉयल वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर डिवीजन स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। वैष्णवी इस समय सेंट मैरी चैंपियन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नवमी की छात्रा हैं और पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वे वॉरियर फाउंडेशन मार्शल आर्ट संस्था में नियमित रूप से अभ्यास करती हैं तथा उनके प्रशिक्षक करन साहू के मार्गदर्शन में अभी से राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता की तैयारी में पूरी मेहनत से जुटी हुई हैं। वैष्णवी तलवारबाजी के अतिरिक्त कोशीकी कराटे में भी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता रह चुकी हैं और मुएथाई जैसी मार्शल आर्ट विधा में भी उनकी गहरी रुचि है। उनकी इस बहुमुखी उपलब्धि में उनके परिवार का भी पूरा सहयोग है, विशेष रूप से उनकी माता वर्षा बोरकर उन्हें निरंतर प्रोत्साहित करती हैं और उनका छोटा भाई भी उनके साथ प्रशिक्षण ले रहा है, जो स्वयं भी राष्ट्रीय पदक विजेता है। उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि से न केवल उनका विद्यालय और प्रशिक्षक, बल्कि पूरा इंदौर शहर उन पर गर्व महसूस कर रहा है।

सिंधू ने मियाजाकी को हराया, उन्नति और सात्विक-चिराग भी आगे बढ़े

चांग्झू। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने बुधवार को यहां जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूनामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने 2022 की विश्व जूनियर चैंपियन मियाजाकी को 62 मिनट में 21-15, 8-21, 21-17 से हराया। इस साल पांच टूनामेंट में पहले दौर में बाहर होने वाली सिंधू ने मैच के बाद कहा, यह मेरे लिए बहुप्रतीक्षित जीत थी। पहला राउंड मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। यह तीन गेम का मुकाबला था। तीसरे गेम में भी मेरे लिए शुरूआत से ही बढ़त बनाना महत्वपूर्ण रहा। मेरे लिए यह मैच जीतना महत्वपूर्ण था। इससे निश्चित तौर पर मेरा मनोबल बढ़ेगा। सिंधू ने शानदार शुरूआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था।

2027 रग्बी वर्ल्ड कप: एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा युगांडा

कम्पाला। युगांडा 2027 रग्बी वर्ल्ड कप के लिए एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ मैच की मेजबानी करेगा। यह निर्णायक मुकाबला 26 जुलाई को कम्पाला स्थित मंडेला नेशनल स्टेडियम में नामीबिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच खेला जाएगा। अफ्रीकी क्वालिफायर में जिम्बाब्वे से हारने वाली नामीबिया की टीम के पास अब वर्ल्ड कप की दौड़ में बने रहने का यह अंतिम मौका होगा। अगर वे इस मैच में जीत हासिल करते हैं, तो उनकी उम्मीदें कायम रहेंगी। रग्बी अफ्रीका के अध्यक्ष हर्बर्ट मेंसाह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें खुशी है कि एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ युगांडा में आयोजित हो रहा है। यह युगांडा के लिए एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित करने का शानदार अवसर है। हम युगांडा सरकार और युगांडा रग्बी यूनियन के सहयोग के लिए आभारी हैं। यूएई की टीम मंगलवार को युगांडा पहुंच चुकी है।

इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीती वनडे सीरीज, भारत की बेटियों ने बना दिया अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतते हुए इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले गए तीसरे वनडे मैच को 13 रन से अपने नाम किया। ऐसा पहली बार है, जब भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड के एक ही दौरे पर सीमित ओवरों की दोनों सीरीज जीतीं। वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की थी। इंग्लैंड के अलावा भारतीय महिला टीम विदेशी सरजमीं पर तीन देशों के खिलाफ यह कारनामा कर चुकी है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। उसी साल टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 4-0 से जीती। साल 2019 में भारत की महिला टीम ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 जीती। वहीं, टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में उसी की सरजमीं पर वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की मदद से पांच विकेट खोकर 318 रन बना दिए।

प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद कप्तान ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जुटाए। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए। हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन जोड़ते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। जेमिमा ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कौर ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

किंगस्टन। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को लगातार दूसरे टी20 में हरा दिया है। जमैका के किंग्सटन के सबीना पार्क में खेले गए मुकाबले में कंगारुओं ने आठ विकेट से जीत हासिल की। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने तूफानी पारियां खेलीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 15.2 ओवर में दो विकेट पर 173 रन बनाकर मैच जीत लिया। इंगलिस 33 गेंद में सात चौके और पांच छक्के की मदद से 78 रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं, कैमरन ग्रीन ने 32 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 56 रन की नाबाद पारी खेली। इंगलिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहला टी20 ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट से अपने नाम किया था और अब दूसरा टी20 जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। वहीं, पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टी20 26 जुलाई को सेंट किट्स में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल ओपनिंग के लिए आए थे, लेकिन वह फेल रहे।

वेस्टइंडीज की पारीः टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरूआत सधी हुई रही थी। ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप ने पहले विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इसमें ज्यादातर योगदान किंग का रहा। किंग ने अर्धशतक जमाया। वह 36 गेंद में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम पूरी तरह विफल रहा।

शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड खाता खोले बिना आउट हुए। अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली और स्कोर 130 के पार पहुंचाया। होल्डर एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में गुडाकेश मोती ने नौ गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए और स्कोर 172 तक ले गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा ने तीन विकेट लिए, जबकि नाथन एलिस और मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, बेन ड्वारशुइस को एक विकेट मिला।

अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद आंद्रे रसेल हुए भावुक, बोले- आगे बढ़ने का समय आ गया था

किंग्स्टन। वेस्टइंडीज के पावर हिटर आंद्रे रसेल ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में ताबड़तोड़ पारी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। हालांकि, सबीना पार्क में उनकी टीम को आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ गई। आंद्रे रसेल टी20 सीरीज से पहले ही संन्यास की घोषणा कर चुके थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मुकाबलों की सीरीज के शुरूआती दो मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम मुकाबले थे। आंद्रे रसेल अपने गृहनगर में विदाई मैच खेलना चाहते थे। आंद्रे रसेल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में उस समय बल्लेबाजी के लिए उतरे, जब टीम 98 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। उन्होंने 15 गेंदों की पारी में चार छक्के और दो चौके लगाए। 37 वर्षीय आंद्रे रसेल ने फैंस को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हुए स्वीकारा कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। साल 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके आंद्रे रसेल ने कहा, मैं सबीना पार्क के लोगों और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए धन्यवाद कहना चाहता हूं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन मैं इतने सारे मैच खेलकर खुश हूं और टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते, लेकिन लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था। हमारी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर जैसे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सबीना पार्क में अपना करियर खत्म करना अद्भुत है।

पीवी सिंधु ने विश्व नंबर 6 तोमोका मियाजाकी को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

चांगझोउ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में चल रहे प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूनामेंट चाइना ओपन 2025 में रोमांचक जीत के साथ महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। विश्व नंबर 6 जापान की तोमोका मियाजाकी के खिलाफ, सिंधु (विश्व रैंकिंग 15) ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता का परिचय देते हुए तीन गेमों के कड़े मुकाबले में 21-15, 8-21, 21-17 से जीत हासिल की। दूसरा गेम हारने के बाद, भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में बढ़त बनाए रखते हुए जीत पक्की कर ली। पुरुष युगल में, विश्व की 12वें नंबर की जोड़ी, सात्विक-चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया।

वीनस विलियम्स बनीं टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी

वाशिंगटन। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 वीनस विलियम्स ने बुधवार को डीसी ओपन विमेंस सिंगल्स के पहले दौर के मुकाबले में विश्व नंबर-35 पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। यह 16 महीनों में वीनस का पहला सिंगल्स मैच था। इसी के साथ 45 वर्षीय वीनस विलियम्स टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन गईं। इस लिस्ट में मार्टिना नवरातिलोवा शीर्ष पर हैं, जिन्होंने साल 2004 के विंबलडन में कैटालिना कास्टानो को शिकस्त दी थी। उस समय मार्टिना नवरातिलोवा 47 साल की थीं। ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद वीनस विलियम्स ने कहा, यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद पहला मैच खेलना कितना कठिन होता है, इसे बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, मैच में उतरते समय मुझे पता था कि मेरे पास जीतने की क्षमता है, लेकिन असल बात जीतकर दिखाना है। इसलिए अच्छा खेलना और जीतना सबसे बेहतरीन है। मैं यहां अपने दोस्तों, परिवार, प्रियजनों और फैंस के साथ हूं, जिन्हें प्यार करती हूं। वह भी मुझे प्यार करते हैं। 2023 के सिनसिनाटी टूनामेंट में वीनस विलियम्स ने तत्कालीन विश्व नंबर-16 वेरोनिका कुडरमेतोवा को हराया था। मतलब लगभग दो साल के अंतराल पर उनकी आखिरी दो जीत टॉप-35 खिलाड़ियों के खिलाफ रही हैं।

डीपीएल 2025: मजबूत टीम के साथ चार अगस्त से सीजन की शुरूआत करेगी पुरानी दिल्ली 6

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले सीजन की सेमीफाइनलिस्ट, पुरानी दिल्ली 6 चार अगस्त को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ सीजन-2 के अपने अभियान की शुरूआत करेगी। डीपीएल का दूसरा संस्करण दो अगस्त से शुरू होने जा रहा है। इस सीजन की शुरूआत भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी, जिसके बाद पुरुषों की लीग का पहला मैच खेला जाएगा। वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ अपने शुरूआती मैच के बाद, पुरानी दिल्ली 6 की टीम छह अगस्त को नई दिल्ली टाइगर्स, आठ अगस्त को आउटर दिल्ली वॉरियर्स और नौ अगस्त को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से खेलेगी। इस टीम का आखिरी ग्रुप मैच 26 अगस्त को सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ होगा। पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, हम डीपीएल के दूसरे सीजन में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। यह टीम संतुलित है। टीम में भरपूर टैलेंट और अनुभव है। हम बेहतरीन प्रदर्शन और अपने फैंस को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग में आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में आउटर दिल्ली वॉरियर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, नई दिल्ली टाइगर्स और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और पुरानी दिल्ली 6 शामिल हैं।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को दिया पहले बल्लेबाजी का न्यौता

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने बुधवार को चौथे टेस्ट मैच में टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। आज यहां इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने परिस्थितियों को देखते हुए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि टीम ने ब्रेक का भरपूर उपयोग किया है और उनकी टीम एक फ्रेश माइंडसेट के साथ यह मैच खेलने उतर रही है। स्टोक्स ने कहा कि यह पारंपरिक मैनचेस्टर विकेट नजर आ रही है और उनकी टीम इसका पूरा लाभ उठाने की पूरी कोशिश करेगी। वहीं भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा वह असमंजस की स्थिति में थे इसलिए टॉस हारना उनके लिए अच्छा है। गिल ने कहा कि उनकी टीम ने इस सीरीज में अब तक इंग्लैंड से ज्यादा सत्र अपने नाम किए हैं जो कि उनकी टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। भारतीय कप्तान ने कहा कि यह ब्रेक उनकी टीम के लिए आवश्यक था। उन्होंने कहा कि यह पिच अच्छी है और सख्त है। टीम में तीन बदलाव हैं। बी साई सुदर्शन, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कम्बोज आज का मैच खेल रहे हैं। इससे पहले दीप दासगुप्ता ने अंशुल कम्बोज को डेब्यू कैप दी है। ऐसे में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कंबोज को प्रसिद्ध कृष्णा के ऊपर तरजीह दी गई है। कम्बोज ने रणजी ट्रॉफी की एक पारी में सभी 10 विकेट हासिल किए थे और ऐसा कारनामा करने वाले वह तीसरे गेंदबाज बने थे। दोनों टीमें इस प्रकार हैः भारत एकादशः- यशस्वी जायसवाल, के एल राहुल, बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अंशुल कम्बोज। इंग्लैंरड एकादश :- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ऑली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोसक्स (कप्तान), जैसी स्मिथ (विकेटकीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्सं, ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

दूसरे टी20 में पाकिस्तान की करारी हार, सीरीज में बांग्लादेश को अजेय बढ़त

ढाका। ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेले गए सीरीज के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 8 रन से हराकर बांग्लादेश ने सीरीज पर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का पहला मुकाबला भी बांग्लादेश के नाम रहा था, जिसमें मेजबान को 7 विकेट से जीत मिली थी। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने कप्तान सलमान अली आगा के फैसले को सही साबित किया और 20 ओवर में बांग्लादेश को 133 रनों पर समेट दिया। जाकेर अली ने 48 गेंद पर 55 और महेदी हसन ने 25 गेंद पर 33 रन बनाए। सलमान मिर्जा-अहमद दानियाल-अब्बास अफरीदी ने 2-2 विकेट लिए, जबकि फहीम अशरफ और मोहम्मद नवाज को 1-1 सफलता मिली। पाकिस्तान को जीत के लिए 134 रनों का मामूली लक्ष्य मिला था, लेकिन पाकिस्तान टीम 19.2 ओवर में 125 रनों पर सिमट गई और मैच 8 रनों से गंवा दिया। इस हार के साथ ही पाकिस्तान सीरीज भी गंवा बैठी। पाकिस्तान के लिए फहीम अशरफ ने 32 गेंद पर चार चौके और चार छक्के की मदद से 51 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। लेकिन, टीम का दूसरा कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों के सामने नहीं टिका। 7 बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा, महेदी हसन और तंजीम हसन शाकिब को 2-2 सफलता मिली।

मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन को 1-1 विकेट मिला। जाकेर अली मैच के श्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए। यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को टी20 सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।

हरमनप्रीत कौर ने शब्द नहीं, शतक से दिया जवाब, की दमदार वापसी

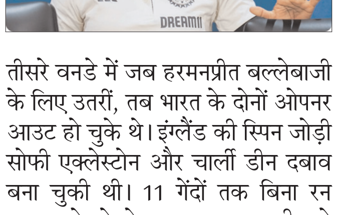

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में शानदार शतक जड़ते हुए न केवल अपनी फॉर्म में वापसी की, बल्कि भारत को श्रृंखला जीत दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। इस मैच में उन्होंने 100 रन की साहसिक पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों खिताब अपने नाम किए।

दिखी हरमनप्रीत की दृढ़ताः जब हरमनप्रीत 22 रन पर थीं, तब लॉरेन फिलर की एक गेंद पर इंग्लैंड ने एलबीडब्ल्यू की अपील पर रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया, जो बाद में उनकी बड़ी भूल साबित हुई। उस समय भारत मुश्किल स्थिति में था, लेकिन कप्तान ने मोर्चा संभालते हुए टीम को संकट से निकाला।

लंबे अंतराल के बाद शतकः यह हरमनप्रीत का एक साल बाद आया वनडे शतक था। पिछली बार उन्होंने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में शतक जमाया था। इसके बाद से उन्होंने 13 पारियों में 29 की औसत से सिर्फ 319 रन बनाए थे। इस दौरान भारत की अन्य बल्लेबाजों जैसे स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे हरमनप्रीत की फॉर्म पर सवाल उठने लगे थे।

दबाव में दिखाया कप्तानी अंदाजः तीसरे वनडे में जब हरमनप्रीत बल्लेबाजी के लिए उतरीं, तब भारत के दोनों ओपनर आउट हो चुके थे। इंग्लैंड की स्पिन जोड़ी सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन दबाव बना चुकी थी। 11 गेंदों तक बिना रन बनाए खेलने के बावजूद हरमनप्रीत ने संयम नहीं खोया और धीरे-धीरे लय में आती गईं। उन्होंने हरलीन देओल के साथ 81 रन की साझेदारी की, जिसने एक्लेस्टोन जैसे गेंदबाज की ओवरों को जल्दी खत्म करने पर इंग्लैंड को मजबूर कर दिया।

जेमिमा के साथ साझेदारी में आया आक्रामक तेवरः एक समय 48 गेंदों पर 39 रन बनाकर खेल रहीं हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिग्स के आने के बाद रफ्तार पकड़ी। रोड्रिग्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चार ओवरों में ही मैच का रुख बदल दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने भी अपने स्वाभाविक अंदाज में आक्रामकता दिखाई और अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाते हुए सिर्फ 28 गेंदों में पारी के दूसरे 50 रन पूरे किए।

यह सीरीज जीत निश्चित रूप से हमें आत्मविश्वास देगी: हरमनप्रीत

डरहम। वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में जीत से आत्मविश्वास बढ़ा होगा। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत कौर का कहना है कि उनकी टीम को स्वदेश लौटने पर इस वैश्विक प्रतियोगिता के लिए नए सिरे से शुरूआत करनी होगी।

हरमनप्रीत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जमाया। उनके इस शानदार प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 13 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। इससे पहले उसने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 3-2 से जीत हासिल की थी। भारत अब 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला वनडे विश्व कप खेला जाएगा। तीसरे मैच और श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई हरमनप्रीत ने संवाददाताओं से कहा, हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। आज परिस्थितियां बिल्कुल भिन्न थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। लेकिन घरेलू मैदान पर परिस्थितियां भिन्न होंगी। उन्होंने कहा, जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं। हरमनप्रीत ने कहा, लेकिन जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरूआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस श्रृंखला से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा। लेकिन जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें नए सिरे से शुरूआत करनी होगी। भारतीय कप्तान ने इस जीत का श्रेय टीम की कड़ी मेहनत को दिया। उन्होंने कहा, हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही है जिसका असर अब परिणाम में नजर आ रहा है। मुझे वास्तव में बहुत खुशी है कि हमारे खिलाड़ी आगे बढ़कर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

एआईयू ने डब्ल्यूयूजी विवाद के लिए संयुक्त सचिव सेखों को निलंबित किया, खिलाड़ियों के पदक पक्के किए

नई दिल्ली। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने अपने संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखों को निलंबित कर दिया है और जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के लिए चुने गए खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में भाग लेने से चूकने के कुप्रबंधन की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया है। भारतीय बैडमिंटन टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था लेकिन उस समय विवाद पैदा हो गया जब यह बात सामने आई कि 16 जुलाई को टीम मैनेजरों की बैठक के दौरान भारतीय अधिकारियों द्वारा सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत न कर पाने के कारण चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को भाग लेने से रोक दिया गया था। एआईयू ने हालांकि कहा कि एफआईएसयू (विश्वविद्यालय खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था) के साथ बातचीत के बाद, टीम के सभी 12 सदस्यों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं, जैसा कि नियम है। रोहन कुमार, दर्शन पुजारी, अदिति भट्ट, अभिनाश मोहंती, विराज कुवले और अलीशा खान भारत की 12 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। महिलाओं की 400 मीटर दौड़ की धाविका देवयानी बाजाला ने भी आरोप लगाया कि अधिकारियों की गलती के कारण वह भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई। एआईयू के महासचिव पंकज मित्तल ने पीटीआई से कहा, जांच पैनल पूरे मामले की जांच करेगा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हमने अपने संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखों को निलंबित करने का फैसला किया है।

अपने शहर, समाज, क्षेत्र से जुडी खबरे प्रकाशित करवाने के लिए
9910635094 व्हाट्सएप या ईमेल:
info.townhalltimes@gmail.com
पर सम्पर्क करे

बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ रही है। पहले भले ही ऐसे बच्चों को गोलू-मोलू कहकर पसंद किया जाता हो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बच्चों में मोटापे की समस्या और उससे सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में व्यापक चर्चा की जाती है। बच्चों में मोटापा कई कारणों से हो सकता है। इनमें अनुवांशिक कारणों को तो हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं, जिन पर यदि नजर रखी जाए, तो हम समय रहते बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

बच्चे को मोटा बना सकती हैं ये आदतें

शारीरिक गतिविधियों का अभाव

उछलकूद करना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही बच्चों को छोटी-मोटी शारीरिक गतिविधियों में शामिल करें। रसोई तक अपने बर्तन खुद रख कर आना। लाइट का स्विच ऑफ करने उठना। पानी पीने जाना, घर की सीढ़ियां चढ़ना, जैसे काम भी आजकल बच्चे नहीं करते। इससे उनमें आलस्य आ जाता है और शरीर पर बेकार की चर्बी जमा होने लगती है। इसके साथ ही आपको चाहिए कि आप अपने बच्चे के साथ घूमने जाएं, उन्हें आउटडोर गेम्स में शामिल करें। वरना आजकल के बच्चों के लिए गेम्स का अर्थ कंप्यूटर अथवा ऑनलाइन गेम्स हो गया है।

लिक्विड कैलोरी का अधिक सेवन

शुगर ड्रिंक और फ्रुट ड्रिंक बच्चों के पसंदीदा पेय पदार्थ हैं, लेकिन इससे बच्चों को और कुछ नहीं बस चीनी और कैलोरी ही मिलती है। आपको चाहिए कि बच्चों को ऐसे पेय पदार्थों के सेवन से रोकें क्योंकि इनसे उन्हें पोषण नहीं मिलता, बल्कि उनकी सेहत को नुकसान ही पहुंचता है।

पर्याप्त नींद न लेना

देर रात तक जागते रहना आजकल की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। लेकिन, आपके बच्चों के लिए यह बिल्कुल ही फायदेमंद नहीं है। मोटापे और नींद के बीच गहरा संबंध है। शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि जो बच्चे पूरी नींद नहीं लेते, उनके मोटापे से ग्रस्त होने की आशंका बहुत अधिक होती है। इसके साथ ही ज्यादा नींद भी आपके बच्चों के लिए अच्छी नहीं। इससे आपका बच्चा आलसी हो सकता है। ध्यान रहे आपके बच्चे के लिए नौ से दस घंटे की नींद काफी है।

जंक फूड का सेवन

बच्चों में मोटापे का अहम कारण जंक फूड का सेवन है। जरा सी भूख लगने पर ही बच्चे बर्गर, पिज्जा या कोई अन्य जंक फूड खा लेते हैं। ये हाई कैलारी खाद्य पदार्थ बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अभिभावकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों के खानपान का ध्यान रखें। बच्चों की जिद के चक्कर में आप उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। कभी-कभार इस प्रकार का भोजन ठीक है, लेकिन इसका नियमित सेवन सेहत के नुकसानदेह है।

टीवी है बीमारी

एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई थी कि जो बच्चे टीवी के सामने अधिक समय बिताते हैं, वे सामान्य बच्चों से अधिक मोटे होते हैं। टीवी मनोरंजन तक तो ठीक है, लेकिन इसके सामने अधिक समय तक बैठे रहना बच्चों को मोटा और थुलथुला बना सकता है। लास एंजेलिस स्थित पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने शयनकक्ष में टीवी देखने एवं बचपन में मोटापे के बीच सम्बधों को सामने रखा।

भोजन अगर न हो सही

बच्चे के आहार में फाइबर युक्त पदार्थों को शामिल करें। इससे उन्हें ऊर्जा भी मिलेगी और साथ ही उनका पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। राजमा, ब्रोकली, मटर, नाशपति, साबुत अनाज का पास्ता, ओटमील आदि फाइबर के उच्च स्रोत हैं। इसके साथ ही आप उन्हें फल और सब्जियों का सेवन भी करवाएं। इनके अभाव से भी बच्चे में मोटापा बढ़ सकता है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिए निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

बार-बार गर्भपात से महिलाओं को होते हैं ये नुकसान

अनचाहे गर्भ को गिराने के लिए जोड़े अक्सर गर्भपात का सहारा लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को मालूम नहीं है कि लगातार गर्भपात कराना जीवन के लिए खतरनाक है। लगातार गर्भपात करवाने से भविष्य में होने वाली प्रेग्नेंसी कष्टदायक हो सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं ज्यादा गर्भपात कराती हैं। उनमें अवधि पूर्व जन्म या शिशु का वजन बहुत कम होना आदि परेशानियां पैदा होती हैं, जिन महिलाओं ने 3 या इससे अधिक बार गर्भपात कराया है। उनकी गर्भाशय ग्रीवा के लिए खतरा है। इसके अलावा इससे कुछ समय बाद अपने आप गर्भपात भी हो सकता है।

बहुत से लोगों को आजकल बांझपन, अस्थानिक गर्भावस्था या बच्चे के जन्म की परेशानी आदि समस्याएं उठानी पड़ती हैं। बांझपन से तात्पर्य है कि 12 माह की कोशिशों के बावजूद भी बच्चा नहीं लगना। सामान्य रूप से महिलाओं में बांझपन होने के कई कारण हैं लेकिन बहुत से डॉक्टर्स ऑपरेशन से गर्भपात कराने को इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

गर्भपात करवाने से शरीर को नुकसान

बच्चा गिरना: गर्भपात कराने से भी कई बार गर्भाशय ग्रीवा क्षतिग्रस्त हो जाती है तो आगे गर्भपात में परेशानी हो सकती है। यदि गर्भपात के दौरान बच्चेदानी क्षतिग्रस्त हो जाती है तो यह बच्चे के लिए भी खतरनाक होती है।

समय पूर्व प्रसव: ज्यादा बार गर्भपात कराने का यह एक मुख्य कारण यह है कि इससे समय पूर्व प्रसव के अवसर बढ़ जाते हैं और गर्भ नाल इससे गलत रूप से बढ़ जाती है।

अस्थानिक गर्भावस्था: बार-बार गर्भपात कराने से अस्थानिक गर्भधारण का खतरा पैदा होता है। अस्थानिक गर्भावस्था ना केवल जीवन के खतरनाक है बल्कि इससे प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है।

पेडू के सूजन की बीमारी: पेडू के सूजन की बीमारी भी बार-बार गर्भपात से होती है। पीआईडी एक खतरनाक बीमारी है जो कि बांझपन का कारण भी बन सकती है। यह फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों पर घाव पैदा कर सकती है, जिससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता में कमी होती है। कभी कभी पीआईडी गर्भपात या अबॉरशन के बाद भी हो सकती है।

एन्डोमिट्राइटिस: ज्यादा गर्भपात कराने से यह होता है। अबॉरशन के बाद यह समस्या होती है। 20 से 29 वर्ष की महिलाएं खास तौर पर इसका शिकार ज्यादा होती हैं।

गर्भाशय में छेद होना: गर्भपात कराने वाली 2 से 3 प्रतिशत मरीजों में यह परेशानी होती है जो महिलाएं पहले बच्चे को जन्म दे चुकी हैं। उनमें यह ज्यादा होता है। इस समस्या से ग्रसित मरीजों में कई बार गर्भपात के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया भी देना पड़ता है।

संक्रमण: बार-बार गर्भपात कराने से महिलाओं में स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याएं पैदा होती हैं जैसे कि ज्यादा रक्तस्राव, संक्रमण, ऐंठन, एनेस्थेसिया से संबन्धित जटिलताएं, एम्बोलि्म, गर्भाशय में सूजन, एंडोटोक्सिक शॉक, गर्भाशय ग्रीवा का चोटिल होना, रक्तस्राव आदि।

पान का सेवन दिलाता है कई बीमारियों से राहत

पान कई बीमारियों का नाश करता है। हम यह बात मान सकते है कि पान के पत्तों में सुपारी, तंबाकू, चूना आदि लगा कर खाने से स्वास्थ संबंधी बीमारी हो सकती है। लेकिन आगर आप केवल पान के पत्तें का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खानें से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।

माउथ-फ्रेशर

पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।

पाचन में सुधार

पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारें लिए कापी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।

मुंह के कैंसर से बचाव

पान सिर्फ छोटी बीमारियों के लिए ही लाभकारी नही हा बल्कि गंभीर बीमारियों के लिए फायदेमंद है। पान के पत्ते को चबाने से मुंह के कैसंर से बचा जा सकता है।

प्रजनन क्षमता

पान को सेक्स का सिंबल भी माना जाता है। सेक्स संबंध से पहले खाने से इस क्रिया का अधिक सुख लिया जा सकता है। इसलिए नए जोड़े को पान खिलाने की परंपरा भी काफी पुरानी है, इसलिए इसे खाने को दिया जाता है।

मसूड़ों में सूजन आ जाने पर

अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मैश कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।

गैस्ट्रिक अल्सर

पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधी के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।

मसा का उपचार

पान के पत्तों से कब्ज दुर होती है इस दवा के इस्तेमाल से बिना कोई निशान छोड़े मसा को पूरी तरह से सही किया जा सकता है।

बाल तोड़ में सहायक

इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें आरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।

मधुमेह

पान पर अध्ययन यह दिखाते हैं, कि इसमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं और यह इसके उपचार में मदद करता है।

खांसी करें सही

पान के पत्ते में शहद लगाकर खाने से खांसी में आराम मिलता है। इसके अलावा इससे छाती से बलगम दूर किया जा सकता है।

सिरदर्द में राहत

पान के पत्ते की एनाल्जेसिक और ठंडी विशेषताओं की वजह से ऊपर से लगाने में यह तेज सिर दर्द से राहत दिलाने में मदद करेगा।

क्या है हॉट योगा और इसे क्यों करें

योग के अदभुद लाभों के चलते न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में योग की ख्याति है। योगासनों के कई अलग अलग प्रकार और तकनीक हैं, और इनमें से एक है हॉट योगा। हॉट योगा प्राचीन योग का ही एक एक्स्ट्रीम फॉर्म है। इसे यदि साधारण योगा का मॉडर्न रूप कहा जाए तो गलत न होगा। हॉट योगा एक ग्लैमरस, लेकिन मुश्किल योग है। 90 मिनट के इसके एक सत्र में 26 जटिल आसन और दो प्राणायाम शामिल होते हैं। और इसकी खास बात है कि यह एक ऐसे कमरे में होता है, जहां का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे ऊपर रखा जाता है और वहां की आर्द्रता 50 प्रतिशत के आसपास होती है।

शायद इस आसनों को करते समय या इन्हें करने के पश्चात इस होने वाले गर्म तापमान के कारण ही इसे हॉट योगा कहा जाने लगा होगा। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जब तक पसीना बाहर न आए, एक्सरसाइझ का फायदा नहीं होता है। हालांकि इस बात के पीछे का तथ्य यह है कि पसीना इस बात का संकेत होता है कि आपने जरूर के हिसाब से शारिरिक गतिविधी की है और कैलोरी बर्न की हैं। शायद यही सब सोचते हुए कुछ योग एक्सपर्ट ने इस पसीना बहाऊ योग का आविष्कार कर लिया वरना तो योग करने से पसीना कम ही छूटता है। ऐसा माना जाता है कि हॉट योगा दांपत्य जीवन के साथ-साथ, मस्तिष्क व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक होता है, और इससे व्यक्ति तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास से भरा रहता है। वैसे तो हॉट योगा के बहुत फायदे हैं लेकिन इसे करने से पहले इसके लिए ठीक ट्रेनिंग लेना बेहद जरूरी होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुरेन्द्र कुमार ने आदित्य ग्राफिक इंक. प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली 110002 से मुद्रित कराकर 2/1 जीवन नगर भगवान नगर आश्रम नई दिल्ली 110014 से प्रकाशित किया। संपादक सुरेन्द्र कुमार (दिल्ली) मोबाइल नं. 99106 35094